आज का विचार

होठों पे मुस्कान थी कंधों पे बस्ता था, सुकून के मामले में वो जमाना सस्ता था।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

5

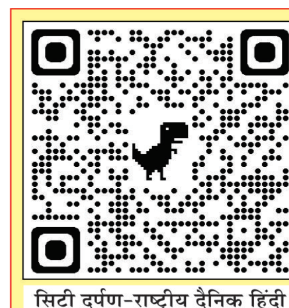
सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शुक्रवार, 27 मार्च, 2026 | वर्ष 24, अंक 74, मूल्यः 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 | Established 2003 | www.citydarpan.com

अंदरखाते कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का गठजोड़ है : नायब सिंह सैनी

हरियाणा के सीएम बोले- पंजाब की जनता ने भाजपा को सत्ता में लाने का मन बना लिया है

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का अंदरखाते गठजोड़ है लेकिन पंजाब की जनता ने भाजपा को सत्ता में लाने का मन बना लिया है।सैनी पंजाब के लुधियाना जिला में स्थित गुरुद्वारा श्री नानकसर साहिब में समागम को संबोधित करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का परस्पर अंदरखाते गठजोड़ होने का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के समय दोनों पार्टियों अंदर खाते एक हो जाती हैं लेकिन हर बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा है श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है, इसमें पंजाब राज्य भी पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में इस प्रदेश के वीरों का अहम योगदान रहा है। उन्होंने जिस देश एवं प्रदेश के सपने देखे थे उनको पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी निरंतर विकास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब विकास के मामले में पहले भी नंबर वन प्रदेश रहा है लेकिन पिछले कुछ समय से इस प्रदेश में ऐसी राजनीति रही कि युवाओं को नशे के दलदल में धकेल दिया गया। विकास के मामले में भी पंजाब पिछड़ गया। लेकिन ,अब पंजाब की जनता कांग्रेस और आप पार्टी के अंदरूनी समझौते को समझ चुकी है , इसलिए इस बार उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा की नीतियों पर विश्वास करने का निर्णय ले लिया है। इसके बाद पंजाब भी फिर से मोदी जी के नेतृत्व में विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

रबी 2026-27 के लिए भंडारण तैयारियां तेज, 470 करोड़ रुपये से जूट व अन्य बैगों की खरीद को दी मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई हाई पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक में रबी 2026-2027 सीजन के लिए भंडारण व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में 550 करोड़ रुपये से जूट व अन्य बैगों की खरीद के दो एजेंडे थे, नेगोसिएशन करके 80 करोड़ रुपये बचाए गए। गेहूं के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करने के लिए जूट बैगों तथा अन्य बैगों की खरीद को मंजूरी प्रदान की गई। इस निर्णय से राज्य में अनाज भंडारण की क्षमता को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा तथा किसानों से खरीदे गए गेहूं के सुरक्षित रख-रखाव में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। यह खरीद प्रक्रिया खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड तथा हरियाणा राज्य भंडारण निगम की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, समयबद्ध और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकारी संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा और कृषि उत्पादों के सुरक्षित भंडारण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रबी सीजन की तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि मंडियों में आने वाली फसल के प्रबंधन में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। बैठक में हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नए बिहार के लिए नीतीश ने जो योगदान दिया है, उसके लिए बिहार सदैव उनका ऋणी रहेगा : नितिन नवीन

भाजपा अध्यक्ष ने पटना में समृद्धि यात्रा के जन संवाद कार्यक्रम में लोगों को किया संबोधित

एजेंसी (हि.स.)
पटना

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पटना जिला के बापू सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा के जन संवाद कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और लोगों को संबोधित किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मंच साझा करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने नाउम्मीद के दौर से निकालकर बिहार को विश्वास के साथ विकास को जोड़ा। बिहारियों के सम्मान को लौटाने का काम किया। आज हर बिहारी खुद को गौरवान्वित महसूस करता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी समृद्धि यात्रा के जरिये बिहार में उत्सव का मौका पैदा किया है। बिहार अब विकास के अपने इस सफर में इसी उत्सव के वातावरण में आगे बढ़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि एक विधायक के तौर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में मुझे भी काफी कुछ सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि संभवतः एक विधायक के तौर पर यह आखिरी सरकारी कार्यक्रम हो लेकिन पटना के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि पटना और बिहार के विकास को मुख्यमंत्री ने जो नया आयाम बनाया है, उसे आने वाले दिनों में भी केंद्र सरकार की मदद से और गति देने का काम करूंगा।

उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने 2005 में प्रदेश में कार्य करने वाली संस्कृति बनाई। उस समय सरकार के नुमाइंदे जनता के प्रति जवाबदेह कम रहते थे। उस दौर में बिहार के हर घर में रोशनी पहुंचाने की कल्पना करना भी दूभर था लेकिन आज लालटेन को छोड़कर हर घरों तक एलईडी पहुंचाने का काम किया। आज सभी घरों में बिजली पहुंच गई है, तो उसका श्रेय सीएम नीतीश कुमार को जाता है।

बिहार में सड़कों की स्थिति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर में कहा जाता था कि सड़क है या गड्ढा है। सीएम नीतीश कुमार ने न केवल सड़कें बनाई, बल्कि उनका मेंटेनेंस भी किया। आज इस पॉलिसी को अन्य राज्य अपना रहे हैं। छोटी-छोटी राशि से पुल-पुलियों का निर्माण ग्रामीण सड़कों में कराया गया, तब लोग सोचते थे, लेकिन आज सड़कें बिहार के विकास की गाथा बता रही हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 के बाद जिस तरह से डबल इंजन की सरकार बनी, बिहार को केंद्र सरकार का सपोर्ट मिला, उसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी आभार है। पहले बिहार में गंगा नदी पर एक पुल था, आज पीएम मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व मे आधा दर्जन से ज्यादा पुल गंगा नदी पर बने हैं। उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार की दूरी किसी ने कम की है, तो पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार ने किया। आज किसी भी कोने से राजधानी में कुछ घंटे में लोग पहुंच रहे हैं। आज बिहार में एक्सप्रेस वे बन रहा है।

नितिन नवीन ने कहा कि नए बिहार के लिए नीतीश कुमार ने जो योगदान दिया है, उसके लिए बिहार सदैव उनका ऋणी रहेगा। युवाओं को शिक्षा और रोजगार के लिए बाहर जाना पड़ता था, लेकिन मुख्यमंत्री ने पिछले सत्र में 50 लाख युवाओं को रोजगार देकर साबित किया कि अगर संकल्प है, तो सिद्धि में कैसे बदला जा सकता है। आज बिहार का युवा नौकरी लेने वाला नहीं, देने वाला बन रहा है।

दावा करते हुए उन्होंने कहा, आज समृद्धि यात्रा का भले समापन हो, लेकिन मुख्यमंत्री ने जो रोडमैप विकास के लिए दिया है, एनडीए सरकार उसी रोडमैप पर चलते हुए 2030 में विकसित बिहार के सपने को साकार करेगी।

उन्होंने कहा कि अगर आज माता-बहनें घर को संभाल रही है और घर के बाहर काम भी कर रही है , तो इसका श्रेय भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जाता है। पहले तो लोग घरों से बाहर निकलने में डरते थे।

उन्होंने कहा कि बिहार में पहले जंगलराज की चर्चा होती थी, तब बिहार के लोगों को शर्म से अपना सिर छिपाना पड़ता था, लेकिन आज दौर बदल गया है। अब बिहार के लोगों को सम्मान मिल रहा है।उन्होंने कहा कि बिहार की समृद्धि की यात्रा निरंतर चलती रहे, यही कामना है।

लाइन लगाने की जरूरत नहीं, हर घर पहुंचेगा गैस सिलेंडर: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी (हि.स.)
गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है, निर्धारित समय पर बुकिंग कराएं, सिलेंडर आपके घर पहुंच जाएगा। इसी तरह आवश्यकता होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं, फिलिंग सेंटरों पर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। कुछ लोग अफवाहें फैला कर राज्य का माहौल खराब करना चाहते हैं, अव्यवस्था फैलाना चाह रहे हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गल्फ वॉर के पहले अगर किसी के घर रसोई गैस का सिलेंडर एक महीने चलता था, तो वह आज पांचवें या छठे दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समय पर ही बुकिंग कराएं। आपकी बारी आने पर रसोई गैस आपके घर तक पहुंच जाएगी। सरकार ने सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जैसे पहले गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी होती थी, वैसे ही अब भी होगी। इसके लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोल-डीजल लेने तभी जाएं, जब आवश्यकता हो, लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है। कुछ लोगों द्वारा साजिश के तहत फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अगर हम उतावलेपन में आकर किसी अफवाह में, दुष्प्रचार के चक्कर में पड़ते हैं तो हमारी राष्ट्रभक्ति पर लोग संदेह करेंगे।हमको यह सतर्कता रखनी होगी। हमें अपने राष्ट्रीय नेतृत्व पर विश्वास रखकर धन्यवाद देना चाहिए कि भारत में सबकुछ अच्छा है। उत्साहपूर्वक उत्सव मनाए जा रहे हैं। नवरात्र के कार्यक्रम हो रहे हैं। कल रामनवमी है। कल 12 बजे रामजन्मभूमि पर सूर्य भगवान भी भगवान श्रीराम का राजतिलक करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित है। दुनिया में हाहाकार, अराजकता, अव्यवस्था है लेकिन भारत के अंदर हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बेखौफ व सुरक्षित हैं। विकास यात्रा को भी बढ़ा रहे हैं। लेकिन, यह युद्ध लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा।हमको भी मानसिक रूप से तैयार होना होगा।

अफवाहों पर ध्यान नहीं देना होगा। जब आपत्ति या चुनौती आती है तो उसका मुकाबला करने के लिए हर व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। यही सच्ची राष्ट्रभक्ति होती है। जब हम किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे पर सरकार के साथ मिलकर काम करते हैं तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। देशहित में अगर सरकार ने कोई कदम उठाया तो हम उसके लिए खुद को तैयार करेंगे।

रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर लगेगी रोक: अश्विनी वैष्णव

सिटी दर्पण संवाददाता
नई दिल्ली

देशभर में रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे अब मिशन मोड में काम करेगा। इस दिशा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में अधिकारियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित कर व्यापक निर्देश जारी किए।

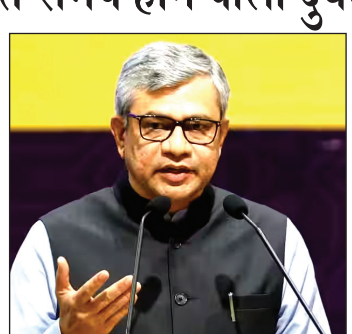

रेल मंत्री ने कहा कि जहां रेलवे ट्रैक के एक ओर बस्ती और दूसरी ओर खेत, स्कूल, श्मशान या अन्य आवश्यक स्थान हैं, वहां लोगों की सुविधा के लिए विशेष प्रकार की रेल पुलियाएं (सबवे) बनाई जाएंगी। इन पुलियाओं का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है।

वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिजाइन ऐसा हो जिससे लोग बिना हिचकिचाहट के उनका उपयोग कर सकें। इनका निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि लोग साइकिल, मोटरसाइकिल और अन्य आवश्यक सामान के साथ आसानी से आ-जा सकें। यह पहल देश की बड़ी आबादी के लिए जीवनदायिनी साबित होगी।

रेलवे की योजना के अनुसार पुलियाओं का ढांचा पहले से तैयार किया जाएगा और बाद में साइट पर लाकर स्थापित किया जाएगा। स्थापना के दौरान रेलवे ट्रैक पर “ब्लॉक” लिया जाएगा, जिसके भीतर मात्र 12 घंटे में पटरी काटकर पुलिया फिट कर दी जाएगी और उसे उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा।

रेल मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिजाइन ऐसा हो जिससे जलभराव जैसी समस्याएं प्रभावित न करें। साथ ही यह व्यवस्था लंबे समय तक प्रभावी बनी रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगले 5-6 वर्षों में इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

यह निर्णय रेलवे अधिकारियों के साथ कई दिनों तक चली विचार-विमर्श प्रक्रिया का परिणाम है। रेल मंत्रालय का मानना है कि संवेदनशील और व्यावहारिक समाधान ही आम लोगों की समस्याओं का दीर्घकालिक हल दे सकते हैं।

भारतीय विचारधारा निरंतर ज्ञान प्रवाह, मातृभाषा में शिक्षा आवश्यक : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी (हि.स.)
मैसूर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारतीय विचारधारा हजारों वर्षों से निरंतर प्रवाहित होने वाला ज्ञान का स्रोत है, जो समय के अनुसार अपना स्वरूप बदलते हुए आगे बढ़ती रही है। प्रज्ञा प्रवाह कर्नाटक द्वारा मैसूर स्थित कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित “एकात्म मानव दर्शनः भारत की विश्वदृष्टि” अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशेष संवाद सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने यह विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता का अभिन्न हिस्सा है और आज भी समयानुसार अपने स्वरूप में परिवर्तन करते हुए आगे बढ़ रहा है। किसी भी सिद्धांत का एक व्यावहारिक रूप होता है, इसलिए भारतीय विश्वदृष्टि को आम लोगों तक सरल भाषा में पहुंचाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक नीति पर आज भले ही व्यापक चर्चा हो रही हो, लेकिन मैसूर रियासत में सदियों पहले ही इन विषयों पर विचार कर उन्हें क्रियान्वित किया गया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन ने मानव की समग्रता को रेखांकित किया है और उसी आधार पर केंद्र सरकार ने कई योजनाएँ तैयार की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के “2047 तक विकसित भारत” के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसे प्राप्त करने के लिए भारतीय चिंतन को पुनर्जीवित करना आवश्यक है। औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भी उसकी मानसिकता बनी रही, जिससे देश को नुकसान हुआ है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था डिग्री और प्रमाणपत्र तक सीमित हो गई है, जिसे भारतीय विचारधारा के आधार पर पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मातृभाषा में शिक्षा देने से विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है। इसलिए शिक्षा प्रणाली में बुनियादी बदलाव लाना जरूरी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक समय के अनुरूप ढालकर आम लोगों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

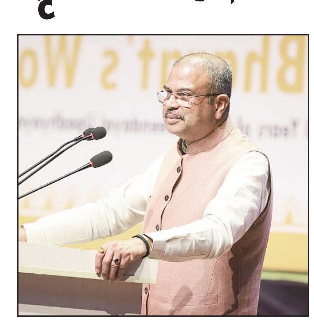

कृषि मेला खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने, किसानों की आय बढ़ाने का महायज्ञ : शिवराज सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
रायसेन

केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्नत कृषि मेला और प्रशिक्षण कार्यक्रम खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने, किसानों की आय बढ़ाने का महायज्ञ है। इसमें सभी की भागीदारी जरूरी है। यह मेला यहां की कृषि को एक नई दिशा देने का प्रयास है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान पहुंचे थे। वे आगामी 11 से 13 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय वृहद उन्नत कृषि मेला प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के बाद अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने आयोजन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ किया और कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर आयोजन की रूपरेखा अनुसार बैठक व्यवस्था, विभिन्न सत्रों के लिए स्थल, स्टॉल और तकनीकों के सजीव प्रदर्शन आदि के बारे में मप्र शासन के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा केन्द्र और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ कृषि अधिकारियों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर भारत सरकार के कृषि विभाग के संयुक्त सचिव संजय अग्रवाल, मप्र शासन के कृषि विभाग के प्रमुख सचिव निशांत बरबड़े, केन्द्रीय कृषि विभाग के निदेशक (किसान कल्याण एवं विस्तार) अविनाश लावनिया, मप्र मंडी बोर्ड के एमडी कुमार पुरुषोत्तम तथा कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के साथ कार्यक्रम आयोजन के संबंध में विस्तृत चर्चा की। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यह आयोजन क्षेत्र में कृषि की दिशा बदलने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कृषि मेला आयोजन की सभी तैयारियां समय से पूर्ण हो, किसानों तक कृषि मेला आयोजन और उसके उद्देश्यों की जानकारी पहुंचे, व्यापक प्रचार-प्रसार हो। किसानों तक यह जानकारी पहुंचना जरूरी है कि यह मेला, राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रहा है, जिसमें किसानों के समक्ष खेती की विभिन्न उन्नत तकनीकों और पद्धतियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि यह उन्नत कृषि मेला यहां की कृषि को एक नई दिशा देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय स्तर के कृषि मेला और प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश ही नहीं, देश के अन्य राज्यों से भी प्रगतिशील किसान, कृषि वैज्ञानिक, कृषि उपकरण बनाने वाली कम्पनियों सहित कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहीं निजी कम्पनियां भी यहां आएगीं। उन्होंने बताया कि मेले में लगभग 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां किसानों को जानकारी दी जाएगी और सजीव प्रदर्शन भी होगा। चौहान ने कहा कि किसानों को आय बढ़ाने के लिए परम्परागत खेती के अलावा फलों की खेती, फूलों की खेती, सब्जी की खेती, प्राकृतिक खेती, पशुपालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन आदि अपनाना होगा। यहां आयोजित होने वाले मेले में इन सभी प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों को तकनीकी जानकारी देने के साथ ही लाइव प्रदर्शन भी होगा। उन्होंने कहा कि उन्नत कृषि की कई नवीन पद्धतियां हैं, जिनका किसानों के समक्ष प्रदर्शन जरूरी है। तभी वह सीखेंगे और अपनाएंगे। मेले में उन्नत बीजों की जानकारी, कृषि पद्धति, रोगों की पहचान और उपचार, नकली उर्वरक या कीटनाशकों की पहचान, फसल कटने के बाद उसे सुरक्षित रखने, उपज का मूल्य कैसे बढ़ाएं, कच्चे माल की प्रोसेसिंग आदि इस प्रकार बीज से लेकर बाजार तक की जानकारी किसानों को दी जाएगी और तकनीकों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। मप्र के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कषाना ने कहा कि जब हमारा किसान आगे बढ़ेंगे तो देश खुशहाल होगा और जब देश खुशहाल होगा तो प्रदेश खुशहाल होंगे। इसी मंशा को लेकर चौहान की मंशानुरूप रायसेन में केन्द्र सरकार द्वारा यह राष्ट्रीय स्तर का कृषि मेला और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सुक्खू के 62वें जन्मदिन पर जुटे समर्थक केक काटा, नाटी डालकर मनाया जश्न

कैबिनेट मंत्रियों और कांग्रेस विधायकों ने भी ओक ओवर पहुंचकर मुख्यमंत्री को दी बधाई

सीएम सुक्खू ने जन्मदिन के मौके पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गुरुवार को अपना 62वां जन्मदिन मनाया और इसके साथ ही वे जीवन के 63वें वर्ष में प्रवेश कर गए। इस मौके पर राजधानी शिमला स्थित उनके सरकारी आवास ओकओवर में सुबह से ही बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से समर्थक, कांग्रेस नेता और आम लोग मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देने पहुंचे।

कैबिनेट मंत्रियों और कांग्रेस विधायकों ने भी ओक ओवर पहुंचकर मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी पत्नी और देहरा की विधायक कमलेश ठाकुर की मौजूदगी में केक काटा। जन्मदिन के अवसर पर मुख्यमंत्री और उनके समर्थकों ने पारंपरिक हिमाचली नृत्य नाटी भी किया, जिससे माहौल उत्सव जैसा बन गया।

जन्मदिन के मौके पर मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया। उन्होंने सचिवालय कर्मचारियों की ओर से आयोजित मैराथन में भाग लेकर लोगों को नियमित व्यायाम और फिट रहने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम उनके जन्मदिन समारोह का खास हिस्सा रहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा संघर्षों से भरी रही है और उन्हें चुनौतियों से लड़ना हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने भरोसा जताया कि राज्य सरकार के हालिया बजट से हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले चार महीनों में प्रदेश की आर्थिक स्थिति में और सुधार देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने बजट में समाज के सभी वर्गों महिलाओं, युवाओं, किसानों और कर्मचारियों का ध्यान रखने की कोशिश की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रदेश विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा और आर्थिक रूप से मजबूत बनेगा।

सीएम के जन्मदिन पर पांवटा में रक्तदान शिविर

नाहन। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुखु के जन्मदिन के उपलक्ष पर पांवटा साहिब में सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल पेश करते हुए जोगेन्द्रा बैंक के डायरेक्टर असगर अली द्वारा एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित हुआ, जिसमें भारी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया। इस दौरान युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और कई लोगों ने पहली बार रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौजूद रही, जिन्होंने सभी रक्तदाताओं की जांच कर सुरक्षित रूप से रक्त संग्रह किया। असगर अली ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश के ऐसे लोकप्रिय नेता हैं जो लोगों के दिलों में राज करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए यह रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है, ताकि जरूरतमंदों की मदद की जा सके और समाज में जागरूकता फैलाई जा सके। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है और जनहित के अनेक फैसले लिए जा रहे हैं। ऐसे अवसर पर समाज सेवा से जुड़ा कार्य करना ही सच्ची श्रद्धांजलि और सम्मान है।

धौलाधार की वादियों में आईपीएल का रोमांच मई में धर्मशाला में खेले जाएंगे तीन मुकाबले

एसोसिएशन स्टेडियम में एक बार फिर आईपीएल का रोमांच देखने को मिलेगा

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

दुनिया के सबसे खूबसूरत क्रिकेट मैदानों में शुमार हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में एक बार फिर आईपीएल का रोमांच देखने को मिलेगा। बीसीसीआई द्वारा जारी नवीनतम शेड्यूल के अनुसार आगामी मई महीने में धर्मशाला के इस मैदान पर कुल तीन मुकाबले खेले जाएंगे। पंजाब किंग्स के दूसरे 'होम ग्राउंड' में यह मुकाबले क्रिकेट प्रेमियों को जबरदस्त रोमांच लाने वाले होंगे। बर्फ से ढकी पहाड़ियों के बीच होने वाले इन मैचों को लेकर न केवल हिमाचल के क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है, बल्कि स्थानीय पर्यटन उद्योग को भी इससे बड़ी उम्मीदें जगी हैं। धर्मशाला में मैचों का सिलसिला 11 मई को शुरू होगा जब पंजाब किंग्स का सामना दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इसके ठीक तीन दिन बाद 14 मई को मुंबई इंडियंस की टीम यहां पंजाब को चुनौती देने पहुंचेगी।

इन दोनों मुकाबलों का समय शाम 7:30 बजे रखा गया है। वहीं 17 मई को होने वाला मुकाबला सबसे खास माना जा रहा है क्योंकि उस दिन रविवार को दोपहर 3:30 बजे पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच भिड़ंत होगी। किंग कोहली और पंजाब के शेरों के बीच होने वाली इस टक्कर को देखने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसकों के उमड़ने की संभावना है।

धर्मशाला के इन मैचों के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में भी क्रिकेट का पारा चढ़ेगा। 12 मई को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच होगा जबकि 13 मई को रायपुर के मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स से लोहा लेगी। 15 मई को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला होगा और 16 मई को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में गुजरात टाइटन्स की टीम केकेआर से भिड़ेगी। इन मैचों के आयोजन से न केवल खेल प्रेमियों का मनोरंजन होगा, बल्कि पर्यटन और स्थानीय व्यापार को भी जबरदस्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

हिमाचल सरकार पर अनुराग का हमला, पेट्रोल-डीजल पर सेस की तैयारी को बताया जनविरोधी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

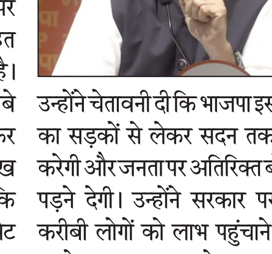

हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि 2022 में बड़ी-बड़ी गारंटियों के दम पर सत्ता में आई सरकार अब जनता को राहत देने के बजाय आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'चौबे बनने निकली कांग्रेस सरकार दुबे बनकर रह गईहै', क्योंकि अब तक एक भी प्रमुख गारंटी पूरी नहीं हुई। ठाकुर ने कहा कि सरकार ने पहले ही डीजल पर वैट बढ़ाकर इसे 10.40 प्रति लीटर तक पहुंचा दिया, जिससे पिछले करीब 40 महीनों में जनता से हजारों करोड़ रुपये वसूले गए। अब पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त सेस लगाने की तैयारी की जा रही है, जो आम लोगों पर सीधा असर डालेगा। मुख्यमंत्री के इस बयान पर कि सेस अभी लागू नहीं हुआ है, ठाकुर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब सरकार के मन में टैक्स लगाने की सोच आ जाती है, तो वह उसे लागू करके ही छोड़ती है। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा इस फैसले का सड़कों से लेकर सदन तक विरोध करेगी और जनता पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ने देगी। उन्होंने सरकार पर अपने करीबी लोगों को लाभ पहुंचाने का भी आरोप लगाया। ठाकुर के अनुसार, जहां एक ओर आम जनता महंगाई से जूझ रही है, वहीं दूसरी ओर चेयरमैनों की तनख्वाह कई गुना बढ़ाई गई और उन्हें महंगी सुविधाएं दी गईं। राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज हो चुका है। उन्होंने मांग की कि सरकार अपनी वित्तीय नीतियों में सुधार करे और जनता को राहत देने के लिए काम करे।

लश्कर-ए-तैयबा मॉड्यूल पर सीआईके ने की कश्मीर भर में 10 ठिकानों पर छापेमारी

श्रीनगर। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने गुरुवार को कश्मीर भर में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल की चल रही जांच के तहत की गई। एक अधिकारी ने बताया कि तीन जिलों में 10 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिनमें से छह गांदरबल में, तीन शोपियां में और एक श्रीनगर में है। उन्होंने बताया कि यह जांच लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के कश्मीरी मूल निवासी शब्बीर अहमद लोन के निर्देशित आतंकी मॉड्यूल से संबंधित है, जो वर्तमान में बांग्लादेश में है। अधिकारियों ने बताया कि गांदरबल जिले के कंगन इलाके का निवासी लोन विदेश से काम कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि इस मामले का संबंध एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से है और मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में स्थित एलईटी संचालकों से निर्देश मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह तलाशी सक्षम न्यायालय से जारी तलाशी वारंट के आधार पर की जा रही है, जो हाल ही में पुलिस स्टेशन सीआईके में दर्ज एक नए आतंकी मामले की जांच से संबंधित है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

शिमला में होली की रात दोस्त की हत्या, शव दबाकर भागा आरोपी बिहार से गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला ज़िला के सुन्नी क्षेत्र में होली की रात हुए एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक की हत्या करने के बाद उसका शव खेत में गड्ढा खोदकर दबा दिया था और इसके बाद फरार हो गया था। अब इस सनसनीखेज मामले में गिरफ्तारी के बाद पुलिस जांच आगे बढ़ा रही है।

शिमला के एसएसपी गौरव सिंह ने अभियुक्त की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए गुरुवार को बताया कि अभियुक्त को अब रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस थाना सुन्नी में दर्ज प्राथमिकी के तहत पुलिस टीम ने फरार आरोपी बिहार के पूर्वी चंपारण निवासी अरुण कुमार (31 वर्ष) को बिहार के मुजफ्फरपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए

विशेष पुलिस टीम बनाई गई थी, जिसने तकनीकी जांच और लगातार प्रयास के बाद उसे पकड़ने में सफलता हासिल की। इस मामले की शुरूआत 15 मार्च को हुई थी, जब बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गांव सिंगारफुलकां निवासी 60 वर्षीय चतुरी राम ने अपने 25 वर्षीय बेटे राम प्रवेश राम की गुमशुदगी की शिकायत थाना सुन्नी में दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उनका बेटा अपने दो-तीन साथियों के साथ बसंतपुर क्षेत्र में किराए के कमरे में रहकर आरसीसी के मकान बनाने का काम करता था। 3 और 4 मार्च की रात से वह अचानक लापता हो गया था और उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि राम प्रवेश राम अपने साथियों के साथ बसंतपुर में दौलत राम के मकान निर्माण कार्य में लगे थे और उन्होंने 25 जनवरी से नोख राम की बिल्डिंग में किराए का कमरा लिया हुआ था। मोबाइल कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी जांच में सामने आया कि होली की रात 3-4 मार्च को उनके बीच आपसी झगड़ा हुआ था।

पुलिस को शक हुआ कि इसी झगड़े के बाद आरोपी अरुण कुमार और उसके साथियों ने मिलकर राम प्रवेश राम का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी। आगे की जांच में यह आशंका सच साबित हुई। पुलिस ने 23 मार्च को उसी क्षेत्र से खेत में गड्ढा खोदकर दबाया गया शव बरामद किया। जिसकी पहचान राम प्रवेश राम के रूप में कर ली गई।

संक्षिप्त-समाचार

नवरात्रि के दौरान वैष्णो देवी मंदिर में 26 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जम्मू। चैत्र नवरात्रि के दौरान जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। इस दौरान गुफा मंदिर में 26 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। 25 मार्च तक 2,69,716 तीर्थयात्री मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। सैकड़ों श्रद्धालु 'जय माता दी' का जाप करते हुए माता वैष्णो देवी मंदिर के घुमावदार मार्ग पर दर्शन करने के लिए पैदल यात्रा कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार नवरात्रि के पहले दिन 19 मार्च को 31,815 तीर्थयात्रियों ने मंदिर में दर्शन किए, जबकि 20 मार्च को 34,805, 21 मार्च को 41,078, 22 मार्च को 43,482, 23 मार्च को 45,478, 24 मार्च को 38,158 और 25 मार्च को 34,900 श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तीर्थयात्रियों का पंजीकरण दो बार थोड़े समय के लिए निलंबित किया गया था। चैत्र नवरात्रि का नौ दिवसीय उत्सव बहुस्तरीय सुरक्षा के बीच शुरू हुआ, जिसके चलते दोनों मार्ग और भवन मंदिर क्षेत्र रोशनी और फूलों की सजावट से जगमगा रहे हैं और आध्यात्मिक उत्साह और पारंपरिक उल्लास से भरे हुए हैं।

महिला से मारपीट के बाद आभूषण गायब आरोपी पर एफआईआर

शिमला। शिमला जिले के कुमारसैन क्षेत्र के रवेग गांव में एक महिला के साथ मारपीट और आभूषण गायब होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना गांव के भीतर हुए विवाद के बाद सामने आई। रवेग गांव की रहने वाली 57 वर्षीय ऊषा देवी, पत्नी दयानंद राज्टा ने थाना कुमारसैन में शिकायत दर्ज करवाई है कि उसी गांव के रामानंद पुत्र बेली राम ने उनके साथ मारपीट की। शिकायत में कहा गया है कि मारपीट के दौरान उनके सोने के आभूषण बाली और तिल्ली गायब हो गए। महिला ने आरोप लगाया है कि घटना के दौरान आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना कुमारसैन में इस संबंध में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 126(2), 115(2), 324(4) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और तथ्यों के अनुसार आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना के समय मौके पर कौन-कौन लोग मौजूद थे और आभूषण किस परिस्थितियों में गायब हुए।

बांदीपुरा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत ड्रग तस्कर की संपत्ति की कुर्क

श्रीनगर। बांदीपुरा में पुलिस ने एक ड्रग तस्कर की संपत्ति कुर्क की है जिसमें वाहन ऑटो लोड कैरियर पंजीकरण संख्या जेके01 ऐसी -0761 के रूप में चल संपत्ति शामिल है जिसका मूल्य लगभग 1.5 लाख है। उक्त वाहन को ड्रग तस्कर इरफान राशिद सोफी पुत्र अब्दुल राशिद सोफी निवासी बराड़ बांदीपोरा द्वारा अवैध दवाओं और पदार्थों की बिक्री के माध्यम से हासिल किया गया था जो पीएस अरागाम के एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 02/2026 मामले में शामिल है। संपत्ति को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68 एफ के प्रावधानों के तहत प्रशासक और सक्षम प्राधिकारी (तस्कर और विदेशी मुद्रा मैनिपुलेटर्स- संपत्ति जब्ती अधिनियम), नई दिल्ली से पुष्टि के साथ जब्त कर लिया गया था। बांदीपोरा पुलिस समुदाय को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों से बचाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है और इस अवैध व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखने की प्रतिज्ञा करती है। इस लड़ाई में जनता का सहयोग महत्वपूर्ण है, और नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से निकटतम पुलिस स्टेशन से संपर्क करने का आग्रह किया जाता है।

त्रिलोकपुर में महानवमी पर दीपों से जगमगाएगा ऐतिहासिक शिव सरोवर

नाहन। उत्तर भारत के प्रसिद्ध सिद्धपीठ श्री माता बालासुंदरी मंदिर त्रिलोकपुर में चल रहे चैत्र नवरात्र मेले के दौरान आज महानवमी की संध्या पर एक विशेष और दिव्य आयोजन होने जा रहा है। मंदिर परिसर स्थित ऐतिहासिक शिव तालाब (शिव सरोवर) में आज शाम भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूरा तालाब क्षेत्र दीपों की रोशनी से दीपावली की तरह जगमगा उठेगा। मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए एसडीएम नाहन राजीव सांख्यन ने बताया कि प्रथम नवरात्रि की आरती की सफलता के बाद अब महानवमी की पूर्व संध्या पर शिव तालाब में यह भव्य आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से आह्वान किया है कि वे इस पावन आरती में सम्मिलित होकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करें। एसडीएम राजीव सांख्यन ने मंदिर न्यास की आय के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि इस बार श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक दान किया है। अब तक मंदिर को नकद रूप में 1 करोड़ 13 लाख 15 हजार 690 रुपये प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त 14 किलो 175 ग्राम चांदी और 43 ग्राम सोना भी माता के चरणों में अर्पित किया गया है। इस बार त्रिलोकपुर मेले में प्रशासन द्वारा शुरू की गई नौका विहार की सुविधा श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण बनी हुई है, जिससे अब तक लगभग 2 लाख रुपये की आय हो चुकी है। आंकड़ों के अनुसार, कल 25 मार्च तक लगभग 1 लाख 90 हजार 500 श्रद्धालु माता के दरबार में शीश नवा चुके हैं। आज अष्टमी और महानवमी के अवसर पर भीड़ और बढ़ने की उम्मीद है, जिसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

विश्व रंगमंच दिवस पर बलवंत ठाकुर सम्मानित

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

विश्व रंगमंच दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर पंजाब के सांस्कृतिक शहर अमृतसर में आयोजित 26वें नेशनल थिएटर फेस्टिवल के दौरान प्रसिद्ध रंग निर्देशक और नाटककार बलवंत ठाकुर को सम्मानित किया गया। विरसा विहार में आयोजित इस समारोह में उन्हें वरिष्ठ रंगकर्मी केवल ढालीवाल द्वारा सम्मान प्रदान किया गया जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई। यह सम्मान समारोह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि रंगमंच की विरासत, संघर्ष और उसके प्रभाव का उत्सव बन गया। इस अवसर पर 25 वर्ष पुरानी यादें भी ताजा हुईं जब इसी प्रतिष्ठित फेस्टिवल का उद्घाटन बलवंत ठाकुर द्वारा निर्देशित डोगरी नाटक महाभोज से हुआ था। उद्घाटन से लेकर सम्मान तक का यह सफर भारतीय रंगमंच के विकास की कहानी को भी दर्शाता है। बलवंत ठाकुर का रंगमंचीय सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने देश-विदेश में 7,500 से अधिक प्रस्तुतियां दी हैं और भारतीय रंगमंच को वैश्विक पहचान दिलाई है। उनकी कला में स्थानीय संस्कृति की जड़ें भी गहराई से जुड़ी रही हैं जिसने उन्हें एक अलग पहचान दी। पिछले 45 वर्षों में उन्होंने 50,000 से अधिक कलाकारों को प्रशिक्षण देकर रंगमंच को नई पीढ़ी दी है। उनके शिष्य आज देश के विभिन्न हिस्सों में कला के क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने नटरंग संस्था की स्थापना कर जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया है। उनकी यह उपलब्धि उन्हें केवल एक कलाकार ही नहीं बल्कि एक संस्थान निमार्ता भी बनाती है। विश्व रंगमंच दिवस पर मिला यह सम्मान न केवल बलवंत ठाकुर की उपलब्धियों का प्रतीक है बल्कि उन सभी कलाकारों को समर्पित है जो रंगमंच जैसी जीवंत कला को जीवित रखने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

पुलवामा पुलिस ने ड्रग तस्कर को पकड़ा, तस्करी का सामान बरामद

श्रीनगर। नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई में पुलवामा पुलिस ने आज डॉल्फिन पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट के छात्रावास के पास तहाब जनरल रोड पर नाका चेकिंग के दौरान ड्रग तस्कर को पकड़ा। नाके के दौरान एक संदिग्ध वाहन (ऑल्टो 800) जिसका पंजीकरण नंबर जेके 03 सी - 9715 था को रुकने का इशारा किया गया। गाड़ी की तलाशी लेने पर 20 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ (पॉलीथीन सहित) बरामद हुआ। अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल किये गये वाहन को भी जब्त कर लिया गया है वाहन चालक को मौके पर ही पकड़ लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान उसने अपनी पहचान तारिक अहमद वानी पुत्र घ नबी वानी निवासी वाहिपोरा लिटर के रूप में बताई। तदनुसार पुलिस स्टेशन पुलवामा में धारा 8/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 40/2026 दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलवामा पुलिस नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है और समाज से इस बुराई को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। आम जनता से नशीली दवाओं की गतिविधियों से संबंधित किसी भी जानकारी को सहयोग करने और साझा करने का आग्रह किया जाता है।

मंडी के पंडोह डैम के पास बस और कार में भीषण टक्कर, दो की मौके पर मौत, दो घायल

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के मंडी-मनाली नेशनल हाईवे पर पंडोह डैम के समीप गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा पेश आया, जिसमें एक बस और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दो लोगों जिसमें एक युवक ओर युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बस नंबर HP 65 इ 0544 मंडी से कुल्लू की ओर जा रही थी, जबकि कार नंबर HP 28 इ 2541 कुल्लू से मंडी की तरफ आ रही थी। पंडोह डैम के पास दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में शशांक शर्मा (23) पुत्र विनोद कुमार, निवासी गाँव मजवान, डाकघर कलखर, बलद्वाड़ा, गायत्री देवी (22) पुत्री राकेश कुमार निवासी गांव रिहाली टांडा डाकघर भांबला जिला मंडी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे में कश्मीर सिंह (21) पुत्र नूर चंद निवासी गांव गद्दालस रंधाड़ा तहसील बल्ह, जिला मंडी और दीक्षा चौहान (21) पुत्री राजेश कुमार निवासी गांव हटली, पत्याला बंगाणा जिला ऊना घायल हो गए हैं। हादसे की पुष्टि करते हुए पुलिस अधीक्षक मंडी विनोद कुमार ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

राज्य स्तरीय नलवाड़ मेले में बॉक्सिंग प्रतियोगिता संपन्न

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

राज्य स्तरीय नलवाड़ मेले के अंतर्गत आयोजित बॉक्सिंग प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जूनियर वर्ग के 30 किलोग्राम भार वर्ग में मंडी के समर्थ ने स्वर्ण पदक, सुंदरनगर के कार्तिक ने रजत तथा सुंदरनगर के शिवांश ने कांस्य पदक प्राप्त किया। 40 किलोग्राम भार वर्ग में सुंदरनगर के प्रत्युष ने स्वर्ण तथा दिव्यांश शर्मा ने रजत पदक हासिल किया। 54 किलोग्राम भार वर्ग में एमएलएसएम कॉलेज सुंदरनगर के शौर्य ने स्वर्ण तथा सुंदरनगर के कार्तिक ने रजत पदक जीता। महिला वर्ग के 51 किलोग्राम भार वर्ग में एमएलएसएम सुंदरनगर की रूहानी ने स्वर्ण तथा सनराइज बॉक्सिंग जड़ोल की दीक्षा ने रजत पदक हासिल किया। सीनियर वर्ग में 55 किलोग्राम भार वर्ग में जड़ोल के शौर्य ने स्वर्ण तथा सक्षम ने रजत पदक जीता। 64 किलोग्राम भार वर्ग में जड़ोल के तुषार ने स्वर्ण तथा सुंदरनगर के शिवांश ने रजत पदक प्राप्त किया। 80 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में जड़ोल के निखिल ने स्वर्ण तथा सुंदरनगर के उदित सेन ने रजत पदक हासिल किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर एएसपी अभिमन्यु वर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

मौसम — हिमाचल के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी

28 और 29 मार्च को गरज-आंधी का येलो अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। लाहौल-स्पीति जिले के गोंदला क्षेत्र में बीती रात करीब 1 सेंटीमीटर ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। किन्नौर और कुल्लू जिलों की चोटियों पर भी बर्फ गिरी। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में आज और कल भी हल्की वर्षा और बर्फबारी की संभावना बनी हुई है, जबकि 28 और 29 मार्च को पूरे प्रदेश में मौसम के तेवर और ज्यादा खराब रहने के आसार हैं। राज्य के कई हिस्सों में आज मिला-जुला मौसम बना हुआ है। कुछ क्षेत्रों में बादल छाए हुए हैं तो कई जगह धूप भी खिली है। विभाग ने कहा है कि ऊंचे इलाकों में बादलों की आवाजाही जारी रहेगी और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

इससे तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हो रही है और ठंड का असर अभी भी महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 28 और 29 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेगा। इसके प्रभाव से पहाड़ों पर बर्फबारी और निचले तथा मध्य क्षेत्रों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। विभाग ने इन दो दिनों के लिए कुछ स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। 28 मार्च को आंधी की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे और 29 मार्च को 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। विभाग ने यह भी बताया है कि 30 और 31 मार्च तथा एक अप्रैल को भी प्रदेश में मौसम खराब बना रह सकता है, हालांकि इन दिनों के लिए किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। इसके बावजूद लोगों को बदलते मौसम के बीच सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। इस बीच, मार्च का महीना खत्म होने के करीब है, लेकिन प्रदेश में ठंड का असर अभी भी बना हुआ है। प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में लोग अभी भी गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं और मैदानी क्षेत्रों में भी गर्मी का असर पूरी तरह से शुरू नहीं हुआ है।

जम्मू-कश्मीर में मौसम विभाग ने आज येलो अलर्ट जारी किया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में मौसम विभाग ने आज येलो अलर्ट जारी किया है। दोनों संभागों में हल्की बारिश और ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है। जम्मू में आज कई इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है, जबकि कश्मीर संभाग के पहाड़ी क्षेत्रों में हल्की बारिश के साथ हल्की बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार कुछ इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलने की आशंका है। आज यानी वीरवार को जम्मू में मौसम सुहावना रहा। आसमान में हल्के बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलती रहीं। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे आज कृषि गतिविधियों को स्थगित रखें। ट्रांसपोर्टरों, पर्यटकों और यात्रियों को खराब मौसम और हाईवे की स्थिति को देखते हुए यात्रा की प्लानिंग करने तथा ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करने की सलाह दी गई है। 27 मार्च को जम्मू-कश्मीर में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। लेकिन इसके बाद 28, 29 और 30 मार्च को दोनों संभागों में फिर से येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
स्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

असली दौलत गुरु के चरणों में और 'नाम' की कमाई में है : नायब सिंह सैनी

गुरुद्वारा श्री नानकसर साहिब में समागम के समापन समारोह को किया संबोधित, हरियाणा सरकार चला रही 'संत-महापुरुष सम्मान विचार प्रचार एवं प्रसार योजना'

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि असली दौलत गुरु के चरणों में और 'नाम' की कमाई में है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शांति गुरु के सानिध्य में ही मिलती है।ुख्यमंत्री वीरवार को पंजाब, लुधियाना के गुरुद्वारा श्री नानकसर साहिब में आयोजित समागम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर बाबा घाला सिंह जी, अनेक संत-महापुरुषगण और देश-विदेश से पधारी साध संगत उपस्थित थी।

श्री नायब सिंह सैनी ने समागम में उपस्थित संगत को दुर्गाष्टमी और रामनवमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री नानकसर साहिब वही पावन स्थान है, जिसकी नींव बाबा नंद सिंह जी महाराज ने अपने कठोर तप से रखी थी। उन्होंने भक्ति की उस जोत को जलाया, जिसकी लौ आज करोड़ों दिलों को रोशन कर रही है। उनके पदचिह्नों पर चलते हुए बाबा ईशर सिंह जी महाराज ने यहां सात वर्षों तक एकांतवास में सिमरन किया। उन्होंने कहा कि यह उन्हीं महापुरुषों की कमाई का फल है कि आज यहां कदम रखते ही मन को असीम शांति मिलती है।

मुख्यमंत्री ने बाबा ईशर सिंह जी के प्रकाश उत्सव की भी बधाई दी और सबको मिल-जुलकर नफरत को मिटाने और प्रेम, सेवा व सिमरन के मार्ग पर चलने की गुरु चरणों में अरदास की। उन्होंने बाबा नारायण सिंह जी के चरणों में भी अपनी श्रद्धा अर्पित की और कहा कि उनका जीवन हमें सिखाता है कि 'सेवा' और 'आदेश' का पालन क्या होता है। बाबा ईशर सिंह जी के एक वचन पर उन्होंने सात वर्षों तक 24 किलोमीटर दूर से जल की सेवा की। बिना थके, बिना रुके, केवल गुरु की प्रसन्नता के लिए।

उन्होंने साध संगत को बताया कि इस विशाल स्थान का कोई लिखित नक्शा नहीं था।यह तो बाबा नारायण सिंह जी के मुख से निकले दिव्य आदेश और कारीगरों की श्रद्धा थी, जिससे यह भव्य गुरुघर तैयार हुआ।यह सिद्ध करता है कि जब नीयत साफ हो और गुरु पर पूर्ण विश्वास हो, तो कुदरत खुद-ब-खुद रास्ता बनाती है। उन्होंने भव्य श्री नानकसर साहिब बनवाकर अपने गुरु के

प्रति जो समर्पण दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

श्री सैनी ने इस पावन स्थान पर की जा रही भोजन व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां कोई संस्थागत लंगर नहीं बनता, बल्कि संगत स्वयं अपने घरों से लंगर बनाकर लाती है।यह सच्चे अर्थों में 'सांझीवालता' का प्रतीक है।यहां अमीर-गरीब का भेद मिट जाता है और केवल 'संगत' शेष रह जाती है। उन्होंने बाबा घाला सिंह जी की निष्ठा और नम्रता के साथ इस स्थान की सेवा करने के पुनीत कार्य की सराहना की।

उन्होंने बताया कि गुरु साहिबान और अन्य संत-महात्माओं, और महापुरुषों ने भूली-भटकी मानवता को जीवन का सच्चा रास्ता दिखाया है।उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा 'संत-महापुरुष सम्मान विचार प्रचार एवं प्रसार योजना' चलाई जा रही है। इस योजना के तहत श्री गुरु नानक देव जी, श्री गुरु तेग बहादुर जी, श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी सहित अनेक संतों व महापुरुषों की जयंतियां राज्य स्तर पर मनाई जाती हैं। नवंबर, 2025 में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष में पूरे प्रदेश में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि ज्योतिसर, कुरुक्षेत्र में गत 25 नवम्बर को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजुरी में राज्य स्तरीय समागम आयोजित किया गया। इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शामिल होकर श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित सिक्के, डाक टिकट और कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया था।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुनानगर जिला के कलेसर में जहां श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर वन लगाने का निर्णय लिया गया है ,वहीं श्री गुरु तेग बहादुर जी की याद में यादगारी गेट भी बनाया गया है। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 1984 में हुए दंगों में अनेक सिख परिवारों ने अपनों को खोया था। राज्य सरकार ने प्रदेश के ऐसे 121 परिवारों के एक-एक सदस्य को नौकरी देने का प्रावधान किया है, जिनके किसी सदस्य की जान दंगे में चली गई थी।

उन्होंने बताया कि पंचकुला में गत 24 दिसंबर को वीर बाल दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह शामिल हुए और उन्होंने अपने हाथों से दंगा पीड़ित परिवारजनों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे। श्री सैनी ने गुरुओं की याद में किये जा रहे कार्यों की आगे जानकारी देते हुए बताया कि सिरसा स्थित चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में श्री गुरु तेग बहादुर जी पर शोध के लिए चेयर स्थापित की गई है।

उन्होंने यह भी बताया कि गत 11 नवम्बर को गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, अंबाला का नाम श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर किया गया ,टोहाना-जींद-धमतान साहिब रोड का नाम श्री गुरु तेग बहादुर मार्ग रखा गया , यमुनानगर में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का नाम 'हिन्द की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम पर रखा है ,असंघ के कॉलेज का नाम सरबंसदानी श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के छोटे साहिबजादे बाबा फतेह सिंह जी के नाम पर रखा गया है। लखनौर साहिब में माता गुजर कौर के नाम से वी.एल.डी.ए. कॉलेज स्थापित किया गया है।

इनके अलावा , गत 27 अक्तूबर को ही लौहगढ़, यमुनानगर में बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक का शिलान्यास किया गया है। श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा, श्री ननकाना साहिब, श्री हेमकुण्ड साहिब और श्री पटना साहिब जाने वाले प्रदेश के तीर्थ यात्रियों को वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से 'स्वर्ण जयंती गुरु दर्शन यात्रा योजना' शुरू की है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार गुरु साहिबानों के सिद्धांतों एवं शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम निरंतर कर रही है। इस अवसर पर सरदार बाबा जोगा सिंह , भाजपा के जिला प्रधान डॉ राजेंद्र शर्मा , बाबा हरविंदर सिंह नानकसर , बाबा अर्जुन सिंह पटियाला वाले , बाबा मेहर सिंह नानकसर , बाबा गुरचरण सिंह दिल्ली वाले समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पंचकूला के सिविल अस्पताल में दूसरी एचआईवी वायरल लोड टेस्टिंग लैब स्थापित होगी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सालाना लगभग 15,000 टेस्ट करेगी यह लैब

हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने पंचकूला के सिविल अस्पताल में एक एचआईवी वायरल लोड टेस्टिंग लैब स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही, हरियाणा में यह दूसरी समर्पित सुविधा होगी ,इस प्रकार की लैब की सुविधा पहले रोहतक में स्थित है।

यह जानकारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि इस लैब को सालाना 1.65 करोड़ रुपये की लागत पर मंजूरी दी गई है, जो सालाना लगभग 15,000 एचआईवी वायरल लोड टेस्ट के अनुमानित कार्यभार पर आधारित है।

उन्होंने बताया कि इस नई लैब को पंचकूला के सिविल अस्पताल में पहले से मौजूद उङ्ग्५ा-19 मॉलिक्यूलर टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करके स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही, एचआईवी वायरल लोड टेस्टिंग के लिए जरूरी अतिरिक्त उपकरण भी खरीदे जाएंगे। इस तरीके से यह सुनिश्चित होता है कि सुविधा को तेजी से चालू किया जा सके, और इसके लिए पूरी तरह से एक नया सेटअप बनाने की जरूरत न पड़े।

यह प्रोजेक्ट हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (ल्तरअउर) से मिले सुझावों के आधार पर तैयार किया गया था, जबकि इसका तकनीकी मूल्यांकन राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (ठअउड) द्वारा स्वतंत्र रूप से किया गया – जो देश में ल्क्क्ष/अक्व्र से निपटने वाली सर्वोच्च संस्था है। राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप, प्रति एचआईवी वायरल लोड टेस्ट की लागत 1,100 रुपये तय की गई है। खास बात यह है कि इस टेस्टिंग सुविधा को स्थापित करने और चलाने का पूरा खर्च राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (ठअउड) उठाएगा, जिससे हरियाणा राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि यह एक ऐसा मॉडल है जिसे अन्य राज्य भी अपनाकर अपने बजट पर बिना कोई बोझ डाले अपनी एचआईवी जांच क्षमता का विस्तार कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि एचआईवी - पॉजिटिव व्यक्तियों के लिए, नियमित वायरल लोड टेस्टिंग कोई वैकल्पिक चीज नहीं है बल्कि यह बेहद जरूरी है। ये टेस्ट डॉक्टरों को यह पता लगाने में मदद करते हैं कि क्या एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी प्रभावी ढंग से काम कर रही है, इलाज में विफलता का जल्द पता लगाने में मदद करते हैं, और वायरस को दवाओं के प्रति प्रतिरोधी बनने से रोकते हैं। वायरल लोड टेस्टिंग की समय पर सुविधा न मिलने पर, मरीजों को इलाज में देरी और सेहत से जुड़ी खराब स्थितियों का सामना करना पड़ता है। फि लहाल, हरियाणा के सभी ज़िलों से सैंपल पीजीआईएमएस रोहतक भेजे जाते हैं। यह नई लैब टेस्टिंग में लगने वाले समय को काफी कम कर देगी, जिससे एचआईवी पॉज़िटिव मरीजों की बेहतर निगरानी हो सकेगी।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि इस लैब के शुरू होने से एचआईवी की समय पर जाँच और निगरानी की सुविधा में काफी सुधार होगा। इससे उन मरीजों को फायदा होगा जिन्हें नियमित रूप से वायरल लोड टेस्टिंग की जरूरत होती है, और हरियाणा में एचआईवी /एड्स के खिलाफ चल रहे प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी। पंचकूला की एचआईवी वायरल लोड लैब, हरियाणा सरकार की उस बड़ी पहल का हिस्सा है जिसका मकसद खास तरह की स्वास्थ्य सेवाओं को विकेंद्रित करना और उन्हें उन लोगों तक पहुँचाना है जिन्हें इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर का दोबारा इस्तेमाल करके, राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर काम करके, और राज्य पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़ने देकर, यह पहल एक कुशल और मरीज-केंद्रित शासन का बेहतरीन उदाहरण पेश करती है। डॉ मिश्रा ने कहा कि हर साल लगभग 15,000 टेस्ट किए जाने का अनुमान है। उम्मीद है कि यह लैब हरियाणा के एचआईवी देखभाल और इलाज नेटवर्क में एक अहम कड़ी साबित होगी, जिससे जाँच में होने वाली देरी कम होगी, इलाज की बेहतर निगरानी हो सकेगी, और अंततः लोगों की जान बचाई जा सकेगी।

वियतनाम की मीडिया में छाया कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का 8वां अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने दी बधाई

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा संस्कृति सोसाइटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र के सहयोग से आयोजित 8वें हरियाणा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की गूंज अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनाई दे रही है। वियतनाम की मीडिया में भी इस फिल्म महोत्सव की विशेष चर्चा हो रही है। इस महोत्सव में वियतनाम से जुड़ी फिल्म ह्लप्रेम की सुरधारा-लव गार्डनह्व को ह्यद बेस्ट इंटरनेशनल फिल्मह्न का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सिनेमा विभिन्न देशों की संस्कृतियों को जोड़ने और वैश्विक संवाद को मजबूत करने का प्रभावशाली माध्यम है।

युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला ने बताया कि यह ह्लप्रेम की सुरधारा-लव गार्डन फिल्म वियतनाम की प्रसिद्ध लोक गायन परंपरा क्वान हो पर आधारित है, जिसे यूनेस्को द्वारा विश्व सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त है। फिल्म की कहानी वियतनाम के प्रख्यात कलाकार चु बाओ क्वे के जीवन और उनके सांस्कृतिक योगदान से प्रेरित है, जिन्होंने वियतनाम की पारंपरिक धरोहर के संरक्षण और शोध के लिए अपना जीवन समर्पित किया है।

प्रो. विवेक चावला ने बताया कि इस फिल्म का निर्माण डॉ. बिस्वरूप रॉय चौधरी, मुख्य संपादक (इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स) और अध्यक्ष (वर्ल्ड रिकॉर्ड्स यूनियन) के निर्देशन में किया गया है। फिल्म में एक भारतीय युवा कलाकार और वियतनामी लोकगायन क्वान हो के बीच भावनात्मक संबंध और उसके सपनों के माध्यम से इस सांस्कृतिक विरासत की खोज की संवेदनशील कहानी दिखाई गई है।

धर्मेन्द्र डांगी ने बताया कि यह फिल्म ह्लहेरीटेज प्रोटेक्टर नामक पुस्तक से प्रेरित है, जिसे स्वयं डॉ. बिस्वरूप रॉय चौधरी ने लिखा है और जो कलाकार चु बाओ क्वे के जीवन और उनके सांस्कृतिक योगदान पर आधारित है। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि अपनी विशिष्ट प्रस्तुति और सांस्कृतिक गहराई के कारण यह फिल्म दर्शकों और निर्णायकों पर गहरा प्रभाव छोड़ने में सफल रही। फिल्म ने वियतनामी संस्कृति, लोकसंगीत और मानवीय भावनाओं को इस तरह प्रस्तुत किया कि यह परंपरा और आधुनिकता के बीच एक सशक्त सेतु बनकर उभरी। 25 मार्च को उद्घाटन समारोह में इस फिल्म को ह्यबेस्ट इंटरनेशनल फिल्मह्न का पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसे स्वयं कलाकार चु बाओ क्वे ने ग्रहण किया।

गांव किरमच में डीएलएसए द्वारा स्थापित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र में एक जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गांव किरमच में डीएलएसए द्वारा स्थापित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र में गत देर सायं एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल, सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीतिका भारद्वाज ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में किरमच गांव के सरपंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने सभी से बातचीत की और उन्हें इस मध्यस्थता केन्द्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी कि ज्यादा से ज्यादा मामले मध्यस्थता केन्द्र में सुलझाने का प्रयास करें। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनता को सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र के बारे में जागरूक करना तथा प्राकृतिक आपदा या किसी अन्य इमरजेंसी में किस तरह से रिस्पांस नागरिकों का करना चाहिए के बारे में विभिन्न विभागों से मौजूद प्रतिभागियों को समझाया गया। इस कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी की टीम द्वारा सीपीआर ट्रेनिंग के बारे में जानकारी दी गई। सिविल डिफेंस एंड होमगार्ड, अग्निशमन विभाग द्वारा आपदा आने पर सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी गई। जिला सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की टीम द्वारा लोक अदालत के फायदों पर हरियाणवी रागिनी प्रस्तुत की गई। न्यु उत्थान थिएटर ग्रुप के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मध्यस्थता के बारे में जानकारी दी गई। हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति भी कलाकारों द्वारा दी गई। इस कार्यक्रम में आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग, रेडक्रॉस आदि विभागों द्वारा स्टालस भी लगाई गई।

महंगाई और गैस संकट से आम जनता पर बढ़ता बोझ, सरकार तुरंत कदम उठाए: सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सिरसा की सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने मीडिया में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के कारण देश की आम जनता पर अभी से आर्थिक बोझ बढ़ने लगा है। उन्होंने कहा कि ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते वैश्विक तनाव का असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ रहा है, जिससे पेट्रोल, डीजल, एलपीजी तथा खाद जैसी आवश्यक वस्तुएं महंगी हो रही हैं। इसका सीधा प्रभाव आम नागरिक और छोटे व्यवसायों पर पड़ रहा है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार को ऐसे समय में संतुलित और दूरदर्शी विदेश नीति अपनाने के साथ-साथ घरेलू स्तर पर भी प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि महंगाई पर नियंत्रण रखा जा सके और जनता को राहत मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि देशभर की तरह हरियाणा में भी रसोई गैस की किल्लत गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। गैस के दाम बढ़ने के बावजूद सरकार कालाबाजारी पर रोक लगाने और आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने में विफल रही है। सांसद सैलजा ने बताया कि कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई बाधित होने से होटल, रेस्तरां, ढाबे, कैटरिंग और गैस आधारित अन्य छोटे-बड़े व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। वहीं सिलेंडर बुकिंग और डिलीवरी में देरी के कारण कालाबाजारी को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे आम जनता और व्यापारियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति तुरंत बहाल हो सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि वह कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति तुरंत प्रभाव से शुरू कराए और वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों में शादी-विवाह या अन्य सामाजिक कार्यक्रम हैं, उन्हें गैस सिलेंडर के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह तत्काल हस्तक्षेप कर आम जनता और व्यापारियों को राहत प्रदान करे।

संक्षिप्त-समाचार

केंद्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जाए-केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री एवं करनाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री मनोहर लाल ने करनाल के लघु सचिवालय के सभागार में आज जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता के साथ-साथ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। मंत्री ने बैठक में 11 विभागों की 23 महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी बैठक में आय- व्यय के डाटा प्रस्तुत करने के बजाए योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर बेहतरीन प्लान से कार्य करे। अगर कोई समस्या आती है तो उसके समाधान के लिए सुझाव दें। केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान डीडीए को निर्देश दिए कि वे मेरी फसल, मेरा ब्योरा पोर्टल पर शत प्रतिशत फसलों का पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें। इसमें मिश्रित फसलों के अलावा खाली कृषि भूमि का भी ब्योरा भी किसानों से दर्ज करवाए। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कम से कम साल में एक-एक किसान मेला अवश्य लगाया जाए और किसानों को कृषि की आधुनिक तकनीकी तथा नए-नए बीजों के बारे में जानकारी दें तथा आयोजित किसान मेलों की फिडबेक ली जाए और अच्छे सुझावों को अपना कर किसानों को योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाए।

गौशाला में बाबा की हत्या, सेवादार फरार

जींद। हरियाणा के जींद जिले के नरवाना खंड के गांव दनौदा कलां स्थित गौशाला में बुधवार देर रात एक सेवादार ने कहासुनी के बाद 60 वर्षीय गूंगा-बहरा बाबा सतबीर को ईंटों से मारकर हत्या कर दी। आरोपित सेवादार सतपाल घटना के बाद फरार हो गया है। सूत्रों के अनुसार, गांव दनौदा कलां गौशाला के अन्न क्षेत्र में 60 वर्षीय बाबा सतबीर पिछले काफी वर्षो से रह रहा था और वह गूंगा तथा बहरा भी था। बाबा गौशाला में गऊओं की देखरेख भी करता था। बुधवार देर रात बाबा सतबीर की गौशाला सेवा करने वाले गांव दनौदा कलां निवासी सतपाल से कहासुनी हो गई। जिस पर सतपाल ने बाबा सतबीर पर ईंटों से वार कर दिए। जिसमें बाबा सतबीर की मौत हो गई। घटना का उस समय पता चला जब दूसरा सेवादार गौशाला में पहुंचा और अन्न क्षेत्र प्रांगण में शेड के नीचे बाबा सतबीर को खून से लथपथ पड़ा देखा। घटना सूचना पाकर जब तक पुलिस तथा गोशाला प्रबंधन समीति मौके पर पहुंचती तब तक आरोपित फरार हो चुका था। घटना की सूचना पाकर सदर थाना नरवाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। पुलिस ने गौशाला कमेटी के सचिव ओमप्रकाश की शिकायत पर आरोपित सतपाल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बालिका वधु बनने से बची नाबालिग, उम्र थी 16 साल

जींद। लोन गांव के बाद अब जींद में भी एक नाबालिग बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय टीम की सर्तकता से गुरूवार को बालिका वधु बनने से बच गई। बाल विवाह की सूचना मिलने पर टीम ने मौके पर पहुंच कार्रवाई करते हुए नाबालिग की शादी को रूकवाया और साथ ही परिजनों को विवाह न करने के लिए जानकारी दी। परिजनों ने आश्वासन दिया कि अब वह बालिग होने पर ही विवाह करेंगे। बाल विवाह निषेध अधिकारी सुनीता को सूचना मिली थी कि जींद के भिवानी रोड पर एक नाबालिग लड़की की शादी करवाई जा रही है और बारात द्धक्ततेहाबाद से आई हुई है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए रवि लोहान, महिला सिपाही आरती, मोनिका, पूजा, दीपक, सामाजिक संगठन मिशन टू द डेस्परेट एंड डेस्टिट्यूट (एमडीडी) ऑफ इंडिया की टीम मौके पर पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंची। टीम द्वारा लड़की के परिवार वालों से लड़की के जन्म से संबंधित कागजात मांगे तो परिजनों द्वारा टाल मटोल की जाने लगी। जब सख्ती से जांच की गई तो सामने आया कि लड़की की उम्र 16 वर्ष है और फतेहाबाद से बारात लेकर पहुंचा दुल्हा 25 वर्ष का है। जिस पर उसके परिजनों द्वारा बताया गया कि लड़की के माता-पिता अनपढ़ है और उन्हें किसी कानून की कोई जानकारी नही है।

सैनी के नेतृत्व में सरकार ने पिछले विधानसभा चुनावों के संकल्प-पत्र के 217 में से 60 वादों को किया पूरा : सुमन सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
लाडवा

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 में से 60 वादों को पूरा कर दिया है। यही नहीं 120 वादों पर काम प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को धरातल पर लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूरे प्रदेश में जमीनों व सम्पत्तियों का पेपरलेस रजिस्ट्रेशन शुरू किया है। अब रजिस्ट्री का काम पूरी तरह डिजिटल हो गया है।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी बुधवार को लाडवा के शिवाला राम कुंडी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। इससे पूर्व कार्यक्रम में पहुंचने पर उपाध्यक्षा सुमन सैनी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने लाडवा विधानसभा के नागरिकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए निर्देश भी दिए। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बहनों बेटियों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। अब तक 9 लाख 22 हजार से अधिक बहन-बेटियों को 634 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गत 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला उद्यमिता मंच की शुरूआत की। यह मंच हमारी उन बहनों के लिए एक वरदान साबित होगा, जो स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं। यह मंच महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स की संख्या 61 प्रतिशत करने में कारगर सिद्ध होगा। साथ ही, महिला उद्यमियों के लिए 3 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब

सिंह सैनी ने गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने के वायदे को पूरा किया है। इसके तहत प्रदेश के लगभग 14 लाख 38 हजार पात्र बहनों के बैंक खातों में कुल 223 करोड़ 31 लाख रुपये की राशि डाली जा चुकी है।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियां किसान हित के केन्द्र में है। आज किसानों की सभी 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फसल खराब होने पर गत साढ़े 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 16 हजार 160 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से पहले कांग्रेस सरकार के 10 साल के शासनकाल में 1 हजार 138 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि जारी की गई थी।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि कांग्रेस सरकार तो किसानों की 269 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि बकाया छोडकर चली गई थी। इसे भाजपा सरकार ने वर्ष 2014 में जनसेवा का दायित्व संभालने के बाद जारी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत लगभग 20 लाख 18 हजार किसानों को 22 किस्तों में 7 हजार 562 करोड़ रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में डाली जा चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म किया गया है। अब तक वंचित रह गई अनुसूचित जातियों को आरक्षण में उनका अधिकार दिया गया है। अब धन के अभाव में कोई भी गरीब इलाज से वंचित नहीं रहेगा।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 200 रुपये बढ़ोतरी करके इसे 3 हजार 200 रुपये मासिक किया गया है। इसी तरह पिछड़ा वर्ग की क्रीमिलेयर आय सीमा को 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछड़ा वर्ग बी को पंचायती राज संस्थाओं व शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया गया है। गरीबों के सिर पर छत उपलब्ध करवाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1 लाख 56 हजार मकान दिये गये हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गरीब परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत 14 शहरों में 15 हजार 765 गरीब परिवारों प्लॉट दिए हैं। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत ग्राम पंचायतों में 12 हजार 31 प्लॉट दिए हैं।

संपादकीय: पश्चिम एशिया संकट के बीच सक्रिय मोदी सरकार: मुख्यमंत्रियों के साथ मिलकर तैयार होगी राष्ट्रीय रणनीति

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव ने भारत की विदेश नीति, ऊर्जा सुरक्षा और आंतरिक तैयारियों को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है। हाल के घटनाक्रमों के बीच विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर सवालों की बौछार करते हुए यह जानना चाहा कि इस संवेदनशील स्थिति से निपटने के लिए देश के पास क्या ठोस रणनीति है। संसद और सार्वजनिक मंचों पर उठे इन सवालों ने सरकार पर दबाव बढ़ाया, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ सीधे संवाद का फैसला किया है। इस बैठक का उद्देश्य पश्चिम एशिया संकट के संभावित प्रभावों को देखते हुए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा करना और भविष्य की कार्ययोजना को स्पष्ट करना है। भारत के लिए पश्चिम एशिया केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि आर्थिक और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है। यदि वहां संघर्ष और गहराता है, तो कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में तेजी से उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई दर और आम लोगों के जीवन पर पड़ेगा। विपक्ष का तर्क है कि सरकार को पहले से ही संभावित जोखिमों का आकलन करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना चाहिए था। हालांकि सरकार का कहना है कि रणनीतिक तेल भंडारण और विविध स्रोतों से आयात जैसे कदम पहले से ही उठाए जा रहे हैं। इस संकट का एक और अहम पहलू प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा से जुड़ा है। खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक काम करते हैं और उनकी आजीविका वहां की स्थिरता पर निर्भर करती है। किसी भी प्रकार का सैन्य संघर्ष उनके जीवन और रोजगार दोनों को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में जरूरत पड़ने पर उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना सरकार के लिए बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। अतीत में भारत ने युद्धग्रस्त क्षेत्रों से अपने नागरिकों को सफलतापूर्वक निकाला है, लेकिन हर बार परिस्थितियां अलग होती हैं। इस बार भी केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तेजी से कार्रवाई की जा सके। प्रधानमंत्री द्वारा मुख्यमंत्रियों के साथ प्रस्तावित संवाद को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। यह कदम न केवल केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल को मजबूत करेगा, बल्कि एक साझा रणनीति बनाने में भी मददगार साबित होगा। राज्यों की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि संकट के समय आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी मुख्यतः उन्हीं पर होती है। बैठक में इन सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। विपक्षी दलों की आलोचना इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। उनका कहना है कि सरकार को इस मुद्दे पर अधिक पारदर्शिता बरतनी चाहिए और देश को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि वह इस संकट से कैसे निपटेगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह स्वाभाविक है कि विपक्ष सरकार से जवाबदेही की मांग करे। हालांकि, यह भी उतना ही जरूरी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय संकट जैसे मुद्दों पर राजनीतिक दल आपसी मतभेदों को सीमित रखते हुए एकजुटता का परिचय दें। केवल आरोप-प्रत्यारोप से समस्या का समाधान नहीं निकल सकता; इसके लिए सहयोग और समन्वय की भावना भी आवश्यक है। सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती यह भी है कि वह देश में अनावश्यक भय और भ्रम की स्थिति पैदा न होने दे। सूचना का सही और संतुलित प्रवाह इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सोशल मीडिया के दौर में अफवाहें तेजी से फैलती हैं, जो स्थिति को और जटिल बना सकती हैं। इसलिए सरकार को प्रभावी संचार रणनीति अपनानी होगी, ताकि लोगों तक सही जानकारी पहुंचे और उनका भरोसा बना रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह संकट भारत के लिए एक परीक्षा की घड़ी है। एक ओर उसे अपने आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक मंचों पर शांति और स्थिरता के पक्ष में अपनी भूमिका निभानी है। भारत की विदेश नीति हमेशा संतुलन और व्यावहारिकता पर आधारित रही है, और इस बार भी उससे यही अपेक्षा की जा रही है कि वह सभी पक्षों के साथ संवाद बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे। प्रधानमंत्री का मुख्यमंत्रियों के साथ संवाद इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। यह पहल संकेत देती है कि सरकार इस संकट को केवल विदेश नीति का मुद्दा नहीं मान रही, बल्कि इसे एक समग्र राष्ट्रीय चुनौती के रूप में देख रही है। बैठक के बाद जो भी निर्णय लिए जाएंगे, उनकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उन्हें जमीनी स्तर पर कितनी तेजी और गंभीरता से लागू किया जाता है। अंततः, पश्चिम एशिया में जारी अनिश्चितता भारत के लिए एक चेतावनी है कि वैश्विक घटनाक्रमों का प्रभाव घरेलू स्तर पर कितना व्यापक हो सकता है। यह समय है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर एक मजबूत और दूरदर्शी रणनीति तैयार करें। यदि ऐसा किया जाता है, तो न केवल इस संकट के प्रभाव को कम किया जा सकेगा, बल्कि भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए भी देश बेहतर तरीके से तैयार हो पाएगा।

पैक्स सिलिका: विश्वसनीय तकनीकी गठबंधन का निर्माण

सैयद सुलेमान अख्तर (हि.स)

सेमीकंडक्टर रोजमर्रा की तकनीकों- मोबाइल फोन से लेकर घरेलू उपकरणों तक को शक्ति प्रदान करते हैं, लेकिन उनका उत्पादन एक जटिल वैश्विक नेटवर्क पर निर्भर करता है। सामग्री, डिजाइन, निर्माण और असेंबली अक्सर कई देशों में फैली होती हैं, जिससे यह प्रणाली अत्यधिक परस्पर जुड़ी हुई बन जाती है। दशकों तक यह प्रणाली दक्षता के लिए बनाई गई थी। कंपनियां तेज और सस्ते चिप्स बनाने पर ध्यान केंद्रित करती थीं और उत्पादन को विशेषीकृत वैश्विक केंद्रों में वितरित करती थीं, लेकिन हाल के व्यवधानों- जैसे महामारी से उत्पन्न कमी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने इस मॉडल के जोखिम को उजागर किया है, जहां स्थानीय झटके वैश्विक उद्योगों में प्रभाव डाल सकते हैं।

अमेरिका के नेतृत्व में साझेदार देशों की पहल पैक्स सिलिका इन चुनौतियों का समाधान एक अधिक टिकाऊ तकनीकी और आर्थिक व्यवस्था बनाकर करना चाहती है।

यह केवल सेमीकंडक्टर पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उस पूरी श्रृंखला तक विस्तारित है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थव्यवस्था को संचालित करती है। तक्षशिला संस्थान के हाई-टेक जियोपॉलिटिक्स प्रोग्राम के अध्यक्ष और अमेरिकी विदेश मंत्रालय के क्वाड लीडर्स लीड ऑन-डिमांड (एलएलओडी) कार्यक्रम के पूर्व प्रतिभागी प्रणय कोटस्थाने बताते हैं, 'पैक्स सिलिका केवल कंप्यूटर चिप्स के बारे में नहीं है, यह एआई युग के लिए एक तकनीकी समूह है।'यह पहल 'मिनरल्स-टू-मॉडल्स' सप्लाई चेन को शामिल करती है- महत्वपूर्ण खनिजों और निर्माण से लेकर डेटा और एआई सिस्टम तक और यह इस मान्यता पर आधारित है कि इस क्षेत्र में कोई भी देश पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो सकता।

कोटस्थाने बताते हैं, 'सिद्धांत रूप में पैक्स सिलिका एआई युग के पूरे तकनीकी ढांचे में एक 'विश्वसनीय क्षेत्र' बनाने का प्रयास करता है। इस क्षेत्र के भीतर, समान सोच वाले देश खनिजों, ऊर्जा सहयोग, निर्माण क्षमता, चिप डिजाइन, बौद्धिक संपदा, एआई मॉडल, डिजिटल अवसंरचना और डेटा के अपेक्षाकृत मुक्त प्रवाह की अनुमति देंगे। सदस्य मिलकर इस पूरे ढांचे का इतना बड़ा हिस्सा कवर करते हैं कि कोई बाहरी कर्ता किसी एक खंड पर दबाव नहीं डाल सकता।'

विविधीकरण का पहलू प्रत्येक स्तर पर कई सहयोगी देशों में क्षमता वितरित करके काम करता है। यदि किसी एक खनिज स्रोत में बाधा आती है, तो वैकल्पिक साझेदार स्रोत उसकी भरपाई कर सकते हैं। यदि किसी एक निर्माण केंद्र में समस्या आती है, तो अन्य उस भार को संभाल सकते हैं।

कोटस्थाने कहते हैं, 'पुराने मॉडल में सबसे सस्ता चिप जीतता था। पैक्स सिलिका के ढांचे में विश्वसनीय तकनीक जीतती है। विश्वसनीय का अर्थ है कि उसका स्रोत-कच्चे खनिज से लेकर तैनात एआई सिस्टम तक समान सोच वाले देशों से होकर गुजरे।'

पैक्स सिलिका एक मौलिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। कोटस्थाने कहते हैं, 'यह केवल दक्षता की पहल नहीं है, बल्कि सुरक्षा और समृद्धि की पहल है।' 'मुख्य विचार यह है कि कुछ आर्थिक दक्षता का त्याग करके लचीलापन बनाया जाए, एकल स्रोत पर निर्भरता कम की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि एआई अर्थव्यवस्था की अवसंरचना विश्वसनीय साझेदारों के नियंत्रण में हो।'

विश्वसनीय साझेदारियां, पूर्ण ढांचा-

संबद्ध देशों के बीच समन्वित कार्रवाई को प्राथमिकता देकर पैक्स सिलिका साझेदारों को तकनीकी ढांचे के पूरक हिस्सों में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है, बजाय इसके कि वे पूरी श्रृंखला को दोहराएं। वह बताते हैं, 'विचार यह नहीं है कि प्रत्येक देश पूरी श्रृंखला को दोहराए। बल्कि यह है कि विश्वसनीय साझेदार पूरक खंडों में विशेषज्ञता हासिल करें और सप्लाई चेन के सभी चरणों में क्षमताएं रखें।'

कई देशों के संसाधनों, प्रतिभा और उत्पादन को एकीकृत करके, यह पहल परिचालन निरंतरता को मजबूत करती है और भाग लेने वाले देशों के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक तालमेल का समर्थन करती है।

भारत की रणनीतिक भूमिका

भारत ने फरवरी 2026 में पैक्स सिलिका पहल में शामिल होकर ट्रांसफॉर्मिंग द रिलेशनशिप यूटिलाइजिंग स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजी (ट्रस्ट) पहल के तहत अमेरिका-भारत सहयोग के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया। इसी कार्यक्रम में अमेरिका और भारत ने नवाचार के पक्ष में एक नियामक ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। कोटस्थाने बताते हैं, 'यू अमेरिका-भारत संबंध स्वाभाविक रूप से उपयुक्त हैं क्योंकि दोनों की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। अमेरिका चिप डिजाइन टूल्स, ईडीए (इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन) सॉफ्टवेयर, उपकरण और फ्रंटियर एआई मॉडल में अग्रणी है; भारत बड़े पैमाने पर डिजाइन प्रतिभा, एंटरप्राइज एआई इंटीग्रेशन क्षमता और विशाल बाजार प्रदान करता है।'

चिप डिजाइन के संदर्भ में वह बताते हैं कि भारत में अनुमानित दुनिया के 20 प्रतिशत डिजाइन इंजीनियर और शीर्ष अमेरिकी सेमीकंडक्टर कंपनियों के डिजाइन केंद्र स्थित हैं और पैक्स सिलिका के तहत उपयोग किए जा रहे चिप्स 'बेंगलुरु, हैदराबाद और नोएडा में डिजाइन किए जा रहे हैं।' डिजाइन के अलावा, भारत अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी योगदान देता है, जैसे सॉफ्टवेयर, एंटरप्राइज एआई इंटीग्रेशन और ऊर्जा एवं खनिज संसाधन, जिससे वह सुरक्षित और लचीली सप्लाई चेन को सक्षम बनाने में एक रणनीतिक साझेदार बनता है।

अमेरिकी तकनीक और एआई नेतृत्व को भारत की क्षमताओं के साथ जोड़कर, पैक्स सिलिका यह दर्शाता है कि विश्वसनीय साझेदारों के बीच सहयोग कैसे वैश्विक तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में निरंतरता, विविधीकरण और लचीलापन सुनिश्चित कर सकता है।

प्राकृतिक संसाधन: सृष्टि की साझा धरोहर मानवता का नैतिक न्यास दायित्व

पृथ्वी पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन जल, वायु, वन, खनिज, मिट्टी, जीवजंतु और ऊर्जा स्रोत मानवता की निजी संपत्ति न होकर संपूर्ण सृष्टि की साझा धरोहर हैं। यह विचार केवल नैतिक आग्रह नहीं है, बल्कि पृथ्वी के भूगर्भीय इतिहास, जैविक विकास और आधुनिक वैज्ञानिक समझ का गहन निष्कर्ष है। विज्ञान स्पष्ट करता है कि जिन ऊर्जा स्रोतों पर आधुनिक सभ्यता आधारित है, वे मानव जीवन की समय-सीमा में पुनः निर्मित नहीं हो सकते। पेट्रोलियम को बनने में पांच से 30 करोड़ वर्ष, कोयले को तीन से 40 करोड़ वर्ष और प्राकृतिक गैस को करोड़ों वर्षों का समय लगता है। पृथ्वी की विशाल प्रयोगशाला ने जिन्हें युगों में निर्मित किया, उन्हें मनुष्य यदि कुछ वर्षों के युद्ध, संघर्ष या लालच में नष्ट कर दे, तो यह न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से मूर्खता है बल्कि नैतिक रूप से भी गंभीर अन्याय है।

भारतीय चिंतन इस सत्य को प्राचीन काल से ही स्वीकार करता आया है। ह्यअथर्ववेदह्न में कहा गया है 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः'। अर्थात पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। इसका स्पष्ट अर्थ है कि पृथ्वी के उपहार किसी एक समाज, राष्ट्र या पीढ़ी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समस्त जीव जगत के लिए समान रूप से हैं। उपनिषद का वाक्य 'ईशावास्यमिदं सर्वं' इसी भावना को और व्यापक बनाता है। यह सम्पूर्ण जगत किसी का निजी स्वामित्व नहीं, बल्कि साझा अस्तित्व है। आधुनिक भाषा में इसे वैश्विक साझा संसाधन कहा जा सकता है, जहाँ संसाधन किसी के स्वामित्व में नहीं बल्कि सबके उपयोग के लिए होते हैं।

इसी आधार पर प्राकृतिक संसाधनों पर एकाधिकार का विचार मूलतः अमानवीय है। मनुष्य अधिकतम स्वयं को इन संसाधनों का संरक्षक और न्यासी कह सकता है। उसके पास उपयोग का अधिकार है, स्वामित्व का नहीं। एक न्यासी संसाधनों का संरक्षण करता है, उनका विनाश नहीं करता। वर्तमान विश्व व्यवस्था ने इस मूलभूत सत्य को पीछे छोड़ दिया है। देखा यह जा रहा है कि जो संसाधन मानवता की सामूहिक धरोहर थे, वे अब संपत्ति, राजनीतिक शक्ति, भू रणनीतिक हथियार और औद्योगिक लाभ के साधन बन गए हैं। पश्चिम एशिया में तेल कुओं पर हमले, रूस यूक्रेन संघर्ष में गैस पाइपलाइन का टूटना या अफ्रीका में खनिज क्षेत्रों को लेकर गृहयुद्ध, ये सभी घटनाएँ केवल स्थानीय नहीं बल्कि वैश्विक प्रभाव डालती हैं।

तेल महंगा होता है, परिवहन लागत बढ़ती है, बिजली दरें ऊँची होती हैं और खाद्य संकट गहराता है। अंततः सबसे अधिक पीड़ा उस

कैलाश चन्द्र (हि.स)

सामान्य जन को झेलनी पड़ती है जिसने न युद्ध किया और न संसाधनों का दुरुपयोग किया। यह वैश्विक अन्याय का विकृत स्वरूप है। प्राकृतिक संसाधनों की हानि केवल आर्थिक संकट तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन को भी प्रभावित करती है। एक जंगल के कटने से वर्षा चक्र, मिट्टी की उर्वरता, जल संचयन और वन्य जीवन सब प्रभावित होते हैं। समुद्र में तेल रिसाव से केवल समुद्री जीवन नहीं, बल्कि वैश्विक ताप वृद्धि और जलवायु संकट भी उत्पन्न होता है।

जल प्रदूषण एक नदी को नहीं, बल्कि उससे जुड़े संपूर्ण जीवन तंत्र को प्रभावित करता है। इसलिए यह कहना अधूरा है कि संसाधनों की हानि केवल एक राष्ट्र की हानि है। वास्तविकता यह है कि यह पूरी सृष्टि की हानि है। भारतीय दर्शन इस व्यापक दृष्टि को वसुधैव कुटुम्बकम् के रूप में प्रस्तुत करता है। इसका अर्थ है कि पृथ्वी एक परिवार है और संसाधनों का उपयोग समानता, संयम और कल्याण के आधार पर होना चाहिए।

आधुनिक पर्यावरण दर्शन भी इसी को पर्यावरणीय न्याय के रूप में स्वीकार करता है, जिसमें संसाधनों का समान उपयोग, समान उपलब्धता और समान संरक्षण आवश्यक माना गया है, किन्तु वर्तमान विश्व इस मार्ग से भटक गया है। संसाधनों से सम्पन्न देश उन्हें शक्ति और दबाव के साधन के रूप में प्रयोग करते हैं, जबकि निर्भर देश असुरक्षित और अस्थिर बने रहते हैं। यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक असमानता भी है।

यदि किसी देश या क्षेत्र को अधिक संसाधन प्राप्त हैं, तो उसका प्रथम दायित्व उनका संरक्षण होना चाहिए न कि उनका शोषण। भारतीय परंपरा प्रकृति को माता मानती है और सिखाती है कि संसाधनों का उपयोग संयम और सह अस्तित्व के साथ किया जाए। यह दर्शन हमें अधिक उपभोग नहीं, बल्कि सतत और संतुलित उपभोग का मार्ग दिखाता है। मानवता को यदि संसाधनों को लेकर संघर्ष समाप्त करना है, तो उसे यह समझना होगा कि वह पृथ्वी का स्वामी नहीं, बल्कि संरक्षक है।

महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित न्यास सिद्धांत भी यही बताता है कि संपत्ति का उपयोग लोकहित में होना चाहिए। यही सिद्धांत प्राकृतिक संसाधनों पर भी लागू होता है कि उनका उपयोग सृष्टि हित में हो, न कि स्वार्थ के लिए। यदि किसी क्षेत्र में तेल है तो वह केवल वहाँ के लोगों का नहीं, बल्कि समस्त मानवता का है। यदि किसी देश में वन हैं, तब वे पूरे पृथ्वी के पर्यावरण संतुलन का आधार हैं। यदि किसी नदी का स्रोत किसी देश में है, तब उसका जल संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र का है, इसलिए संसाधनों पर एकाधिकार की सोच सीमित और स्वार्थपूर्ण है। इसके विपरीत, भारतीय दर्शन सिखाता है कि सृष्टि की रक्षा ही मानवता की रक्षा है।

यह समझ लीजिए कि प्रकृति की समृद्धि में ही सभ्यता का भविष्य निहित है और संसाधनों की समानता में ही विश्व कल्याण संभव है। अतः आज आवश्यकता है कि वैश्विक समाज इस सत्य को स्वीकार करे कि पृथ्वी की धरोहर का संरक्षण, संतुलित उपयोग और न्यायपूर्ण वितरण हम सबका साझा दायित्व है। यही दृष्टि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और संतुलित संसार प्रदान कर सकती है। संसाधन पृथ्वी के हैं, हम केवल उनके संरक्षक हैं और संरक्षक का धर्म संरक्षण है, शोषण नहीं। इसी में विश्व कल्याण, वैश्विक शांति और मानवता के उज्ज्वल भविष्य की सबसे सुदृढ़ आधारशिला निहित है।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं।)

आज का राशिफल

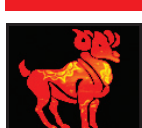

मेष: बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। *(सिटी दर्पण)*

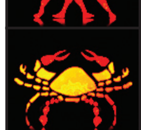

कर्क: मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। *(सिटी दर्पण)*

तुला: मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। *(सिटी दर्पण)*

धनु: घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। *(सिटी दर्पण)*

मकर: प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

महादेवी वर्मा: विरोध को जीने और प्रतिकार की क्षमता विकसित करने में दक्ष

जब मैने अपने विद्यार्थी-जीवन में महादेवी वर्मा जी से एक भेंटवार्ता की अवधि में मुक्त भाव से संवाद किया था, तब यह पक्ष उद्घाटित हुआ था कि वे स्वयं को प्रत्येक 'बन्धन' की जकड़न से मुक्त रहकर, आकाश में पंख फैलाकर प्रकृति से बतियाते हुए, उन्मुक्त पंछियों की तरह से उड़ान भरते हुए देखना चाहती थीं।

इलाहाबाद (अब प्रयागराज) आगमन के बाद और क्रॉस्थवेट स्कूल इलाहाबाद में प्रवेश करने के बाद महादेवी जी की साहित्य-साधना अबाध्य गति में चलती रही। 'मां ने सुनी एक करुण कथा' का लगभग सौ छन्दों में वर्णन कर, महादेवी जी ने एक खण्डकाव्य की रचना कर दी थी। सुभद्रा कुमारी चौहान जी से उनकी भेंट उसी विद्यालय में हुई थी। तब महादेवी जी पांचवीं और सुभद्रा जी सातवीं कक्षा में पढ़ती थीं। मिडिल से पूर्व ही महादेवी जी का ध्यान बाह्य जीवन के दुःख की ओर गया और तभी से उनकी कृति में 'अबला', 'विधवा' आदिक शीर्षक से 'शब्दचित्र' (यहां 'रेखाचित्र' का प्रयोग अनुपयुक्त है।) स्थान पा चुके थे। महादेवी जी छात्रावास में किसी से भी बहुत कम बातें करती थीं। वे गुमसुम बैठीं अपनी रचनाशीलता में लगी रहती थीं। श्रीधर पाठक की पुत्री ललिता पाठक से उनका विशेष लगाव था। स्कूल में उनका जीवन 'बाल भगतिन' जैसा था। वे अपनी इसी प्रवृत्ति के कारण कवि-सम्मेलनों में अधिक भाग नहीं ले पाती थीं। उनकी विद्यापीठ और घर में बाहरी-भीतरी क्षेत्र की सीमाएं बनी रहीं।

महादेवी वर्मा : एक दृष्टि में

माता :- हेमरानी देवी

पिता :- गोविन्द प्रसाद वर्मा

पति :- स्वरूपनारायण वर्मा

जन्म :- 26 मार्च 1907 को फरुर्खाबाद में

निधन :- 22 सितम्बर 1987 को प्रयागराज में

शिक्षा :- क्रॉस्थवेट स्कूल और इलाहाबाद विश्वविद्यालय

भाषा ज्ञान :- हिन्दी और संस्कृत

कृतियां :- नीहार, नीरजा, दीपशिखा, रश्मि, यामा, सांध्यगीत, प्रथम आयाम, सप्तपर्णा, अग्निरेखा, संधिनी (काव्य), अतीत के चलचित्र, स्मृति की रेखाएं (रेखाचित्र), श्रृंखला की कड़ियां, विवेचनात्मक गद्य, साहित्यकार की आस्था, संकल्पिता, क्षणदा, हिमालय (निबन्ध) इत्यादिक।

पुरस्कार-सम्मान :- ज्ञानपीठ पुरस्कार, पद्मभूषण सम्मान, पद्मविभूषण सम्मान, साहित्य एकडेमी की फेलोशिप इत्यादिक।

निवास-स्थान :- 'साहित्यकार संसद्', अशोकनगर, इलाहाबाद।

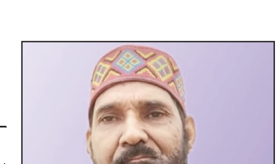

आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय (हि.स)

इलाहाबाद से प्रकाशित क्रान्तिकारी पत्रिका 'चांद' में वर्ष 1931 से 1934 तक लिखती रहीं, जिनमें से 21 निबन्धों का संकलन नारी की स्थिति, अधिकार, कार्यक्षेत्र, व्यवसाय, समस्याओं तथा समाज में नारी की स्थिति का अमूल्य दस्तावेज है। आगे चलकर, उन्हें 'चांद' पत्रिका-सम्पादन करने का सुअवसर भी प्राप्त हुआ था। साहित्यिक परिवार में से इलाहाबाद में आने वाले साहित्यकारों के लिए तो उनका निवास 'घर-जैसा' ही था, किन्तु अन्य अतिथियों के लिए उनका द्वार मुक्त रूप से खुला ही रहता था। मैथिलीशरण गुप्त ने कहा था, 'मेरी प्रयाग यात्रा केवल संगम-स्नान से पूरी नहीं होती। उसको सर्वथा सार्थक बनाने के लिए मुझे सरस्वती (महादेवी) के दर्शन के लिए प्रयाग महिला विद्यापीठ जाना पड़ता है। संगम में कुछ फूल-अक्षत चढ़ाना पड़ता है। सरस्वती मन्दिर में कुछ प्रसाद मिलता है। 'साहित्यकार संसद्' हिन्दी के लिए उन्हीं का प्रसाद है।'

उनकी काव्यगंगा प्रवहमान बनी रहे। परिणामस्वरूप 'प्रथम आयाम', 'आत्मिका', 'परिक्रमा', 'संधिनी', 'यामा', 'दीपगीत', 'नीलाम्बरा', 'गीतपर्व' इत्यादिक कृतियां अजस्र गीतधारा के रूप में संलक्षित होती रहीं। जिस भांति भक्तिकालीन मीराबाई ने अपनी भक्ति और अपने समर्पणयुक्त रचनाधर्मिता से हिन्दी-साहित्य में श्रीवृद्धि की थी, उसी भांति महीयसी महादेवी वर्मा ने छायावाद को समृद्ध करने में अपना अमूल्य अवदान किया था। प्रायः यह प्रश्न किया जाता है - महादेवी वर्मा को 'आधुनिक मीराबाई' क्यों कहा जाता है? इसका उत्तर है- चूंकि महादेवी वर्मा की कृतियों में मीराबाई-सदृश भक्ति, प्रेम, समर्पण, आत्मिक पीड़ा, त्याग और साधना का दर्शन होता है। अतः उन्हें 'आधुनिक मीराबाई' कहा जाता है। उन्हें जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानन्दन पन्त और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के क्रम में छायावाद के चतुर्थ स्तम्भ के रूप में साहित्यिक मान्यता प्राप्त है, जिसके मूल में प्रणय एवं वेदनाभूति, स्थावर-जंगम का एकात्म रूप-भाव, मूल्यचेतना एवं रहस्य से ओतप्रोत उनकी काव्यवस्तु रही है। यदि कोई अध्येता उनकी काव्यकृतियों का परिशीलन करे तो उसे बोध होगा कि महादेवी वर्मा की कृतियों में शब्दनिरूपण, वर्णविन्यास, संगीत-सौन्दर्य एवं उक्ति-भास्वरता का बहुविध निरूपण है। वे चाक्षुष, श्रव्य और स्पर्शिक बिम्बों का वितान तानने मे कुशल हैं। इसलिए उनकी रचनाओं में अप्रस्तुत रचना-विधान के माध्यम से प्रस्तुत की साम्यधर्मिता का सम्यक परिचय प्राप्त होता है। वस्तुतः महादेवी और छायावाद एक-दूसरे के सम्पूरक हैं, क्योंकि उनका रचना-विधान इस तथ्य का साक्षी है- छायावाद ने महादेवी को जन्म दिया था और महादेवी ने छायावाद को जीवन।

महादेवी जी विविध आयोजनों में जीवनपक्ष, सामाजिक पक्ष, सामाजिक प्रतिक्रिया, सामाजिक मूल्यों आदि पर विशद और विस्तृत चर्चा करती थीं। यह एक अलग विषय है कि वे अन्तमुर्खी थीं। वे विरोध को जीती थीं और प्रतिकार करने की क्षमता भी विकसित कर लेती थीं। ऐसा नहीं देखा गया कि वे समकालीन साहित्यकारों में इतनी घुली-मिली रही हों अथवा घुल-मिल जाती रही हों। हां, वे सबका सम्मान करती थीं। यही कारण है कि जब भी कोई बाहर का साहित्यकार प्रयागराज (इलाहाबाद) आता था, वह महादेवी जी से मिलने की अभिलाषा को प्राथमिकता देता था।

इलाहाबाद के सभी प्रसिद्ध साहित्यकार उनसे भेंटकर, तत्कालीन काव्य-परिदृश्य पर संवाद अवश्य करते थे। उनसे दिशा-निर्देश की चाह रखते हुए मिलने वाले साहित्यकार-लेखक, कवि-कवयित्री, पत्रकार, समीक्षक आदि उनकी ओर से कभी निराश नहीं होते थे। यही कारण है कि उनका निवास 'साहित्यकार-संसद्' के रूप में विश्रुत और विख्यात रहा।

वे भी निराला जी की भांति किसी साहित्यकार का अपमान 'स्वयं' का अपमान समझती थीं। आर्थिक परिस्थिति से विक्षिप्त निराला जी को महल में रखने का उनका स्वप्न 'साहित्यकार-संसद्' निर्माण से पूर्ण हुआ था। यह अलग बात है कि 'साहित्यकार-संसद्' वर्तमान में 'विवाद' का विषय बना हुआ है और जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसका निर्माण कराया गया था, वह अब पूरी तरह से प्रयागराज (इलाहाबाद) और बाहर के साहित्यकारों को अंगूठा दिखा रहा है।

बहरहाल, महीयसी महादेवी वर्मा जी ने अपनी सारस्वत लेखनी से प्रयागराज सहित शेष भारत को जिस कोटि की शब्दधर्मिता का गुण-धर्म दिया है, वह चिर-कालीन स्मरणीय रहेगा। हम महादेवी जी को प्रणाम करते हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब भारत का अग्रणी राज्य बनने की ओर लगातार बढ़ रहा है: संजीव अरोड़ा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज सराभा नगर में एक नुक्कड़ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार का चार साल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया।

जन सभा को संबोधित करते हुए संजीव अरोड़ा ने कहा कि पंजाब तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और जल्द ही ह्लरंगला पंजाबह्व बन जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य ने पिछले चार वर्षों में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व प्रगति हासिल की है, जिसकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की गई थी और न ही पिछले 70 वर्षों में ऐसा हुआ।

कैबिनेट मंत्री ने यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा पंजाब को सड़क सुरक्षा, शिक्षा और कारोबार करने में आसानी के क्षेत्रों में नंबर एक राज्य का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब के इतिहास में पहली बार हुआ है जब राज्य को इन प्रमुख क्षेत्रों में ऐसी मान्यता मिली है।

उन्होंने आगे कहा कि आज पूरे देश में चर्चा है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के असाधारण प्रयासों के कारण पंजाब किस तरह देश का नंबर एक राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

संजीव अरोड़ा ने कहा कि पिछले चार वर्षों से पंजाब के हर घर को प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। उन्होंने बताया कि 75 प्रतिशत किसानों को सुबह के समय निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल रही है, जिसे आगामी धान (झोना) सीजन के दौरान बढ़ाकर 95 प्रतिशत कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि पीएसपीसीएल की सेवाओं को अधिक कुशल और प्रभावी बनाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप अधिक मुनाफा, कम नुकसान और बेहतर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। आगे बताया कि पंजाब सरकार ने हर नागरिक के लिए 10 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की है, जिससे पंजाब ऐसा व्यापक कार्यक्रम लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाओं को जल्द ही मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान द्वारा घोषित योजना के तहत 1000 रुपये और 1500 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता मिलनी शुरू हो जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की सड़कों को जल्द ही कूड़ा-मुक्त बनाया जाएगा और पंजाब के पास देश का सबसे बेहतर सड़क बुनियादी ढांचा होगा।

सरकार का यूटर्न- एफआईआर डाउनलोड फीस लेने का फैसला वापस लिया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने एक बार फिर बड़ा फैसला बदलते हुए पंजाब पुलिस की वेबसाइट से एफआईआर (ऋक्रफ) डाउनलोड करने पर लगाई गई 80 रुपये की फीस को वापस ले लिया है। सरकार ने इस संबंध में पहले जारी किए गए नोटिफिकेशन को रद्द करते हुए नए आदेश जारी कर दिए हैं। गौरतलब है कि इससे पहले वकीलों द्वारा एफआईआर की प्रतियों के लिए फीस वसूलने के सरकारी निर्णय को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सरकार के इस ताजा कदम के बाद अब आम जनता को एफआईआर की प्रतियां ऑनलाइन निःशुल्क उपलब्ध हो सकेंगी।

हालांकि, तकनीकी रूप से यह आदेश अभी पूरी तरह धरातल पर लागू होता नहीं दिख रहा है, क्योंकि 'सांझ केंद्र' की वेबसाइट पर एफआईआर डाउनलोड करने के लिए ऑनलाइन भुगतान का विकल्प अभी भी सक्रिय है। दूसरी ओर, काउंसिल ऑफ लॉयर्स के चेयरमैन एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य और राष्ट्रीय समन्वयक एडवोकेट अभिषेक मल्होत्रा ने स्पष्ट किया है कि डीडीआर की कॉपी के लिए 100 रुपये और लॉस्ट रिपोर्ट दर्ज करने के लिए 20 रुपये अभी भी वसूले जा रहे हैं।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि इन शुल्कों के विरुद्ध दायर जनहित याचिका (ढक्छ) वापस नहीं ली जाएगी। याचिका में उन लोगों के पैसे वापस करने की भी मांग की गई है, जिन्होंने पिछले चार दिनों के दौरान एफआईआर डाउनलोड करने के लिए 80 रुपये का भुगतान किया है। पंजाब सरकार के सुशासन और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब सांझ पोर्टल या सांझ केंद्रों से एफआईआर की प्रतियां प्राप्त करने के लिए आवेदकों से कोई सेवा शुल्क नहीं लिया जाएगा। 25 मार्च की देर रात जारी इन आदेशों को तत्काल प्रभाव से लागू करने की बात कही गई है, लेकिन पोर्टल पर भुगतान का विकल्प मौजूद होने के कारण फिलहाल तकनीकी सुधार की प्रतीक्षा की जा रही है।

महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में पंजाब सरकार का बड़ा कदम 28 करोड़ की लागत से मुफ्त सैनिटरी पैड वितरण: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा महिलाओं की स्वास्थ्य, स्वच्छता और सम्मान को मजबूत करने के लिए लगातार जन-केन्द्रित कदम उठाए जा रहे हैं। यह जानकारी सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने देते हुए बताया कि गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी पैड उपलब्ध कराकर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को अधिक सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक बनाया जा रहा है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि चालू वर्ष के दौरान पंजाब सरकार द्वारा लगभग ₹28 करोड़ की लागत से 7.37 करोड़ से अधिक सैनिटरी पैड मुफ्त वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा को भी मजबूत कर रही है, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में।

उन्होंने आगे बताया कि इस योजना के तहत राज्य की 13.65 लाख से अधिक महिलाओं को सीधे लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और पिछड़े वर्गों की महिलाओं को न केवल आर्थिक राहत मिली है, बल्कि वे अपनी स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति अधिक जागरूक हुई हैं, जिससे वे अधिक स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जी रही हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने आगे बताया कि ह्यनई दिशाह्न योजना के तहत राज्य के 27,314 आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से हर महीने जरूरतमंद महिलाओं को 9 सैनिटरी पैड मुफ्त प्रदान किए जा रहे हैं। इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि महिलाओं को यह आवश्यक सुविधा नियमित और आसानी से मिलती रहे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पहल मासिक धर्म से जुड़ी झिझक और सामाजिक धारणाओं को तोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और महिलाओं तथा किशोरियों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित कर रही है।

भविष्य की योजनाओं के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष के दौरान ₹14.60 करोड़ की लागत से 3.68 करोड़ से अधिक सैनिटरी पैड वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे अधिक संख्या में महिलाओं को इस योजना से जोड़ा जाएगा।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा, मान सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि हर महिला को स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और कोई भी महिला बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि पंजाब सरकार महिलाओं के कल्याण के लिए इस प्रकार की महिला-केंद्रित और जनहितैषी योजनाओं को लगातार जारी रखेगी, ताकि राज्य में महिलाओं को स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराया जा सके।

पंजाब विश्वविद्यालय में हुई गोलीबारी की घटना में शामिल मुख्य शूटर फतेहगढ़ साहिब में संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद काबू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- आरोपियों के कब्जे से पिस्तौल और अन्य असलहा हुआ बरामद
- गिरफ्तार आरोपी डॉनी बल्ल/बंबीहा गैंग का एक प्रमुख सदस्य है: डीजीपी गौरव यादव
- आरोपी ने पुलिस टीम पर गोलीबारी की, जवाबी कार्रवाई में हुआ घायल: एडीजीपी एजीटीएफ प्रमोद बान

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन के दौरान पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में छात्र नेता जशनप्रीत सिंह जवंड़ा पर हुई गोलीबारी की घटना में शामिल मुख्य शूटर को .32 बोर की देसी पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ जस निवासी खेड़ी नौध सिंह, कोटला मसूद, फतेहगढ़ साहिब के रूप में हुई है। पिस्तौल के अलावा पुलिस टीमों ने एक मैगजीन, दो जिंदा कारतूस और चार खाली खोखे भी बरामद किए हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी डॉनी बल्ल/बंबीहा गैंग का एक अहम सदस्य है। उन्होंने आगे कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हमला गैंग के इशारे पर किया गया था।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले के आगे-पीछे के संबंधों को स्थापित करने के लिए आगे की जांच जारी है।

इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एजीटीएफ प्रमोद बान ने बताया कि एजीटीएफ पंजाब के इंस्पेक्टर विक्रमजीत सिंह और एसआई अमनदीप सिंह की समर्पित टीम द्वारा एएसआई हरभजन सिंह (जिला क्राइम सेल) और एएसआई प्रदीप सिंह (एजीटीएफ चंडीगढ़) सहित घटना वाले दिन से ही चंडीगढ़, फतेहगढ़ साहिब और अमलोह क्षेत्र में लगातार सुरागों की जांच की जा रही थी।

एडीजीपी ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान आरोपी को अमलोह-पातड़ा रोड पर रोका गया, जहां उसने पुलिस टीम पर गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपी घायल हो गया और उसे तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया।

इस संबंध में एफआईआर नंबर 72 दिनांक 26-03-2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109, 132 और 221 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत थाना अमलोह, जिला फतेहगढ़ साहिब में दर्ज की गई है।

पंजाब सरकार ने 4 सालों में ऐतिहासिक फैसले लेकर हर क्षेत्र में किए क्रांतिकारी बदलाव : पवन कुमार टीनू

आदमपुर/जालंधर। चेयरमैन पंजाब राज्य सहकारी खेतीबाड़ी विकास बैंक पवन कुमार टीनू ने कहा कि पंजाब सरकार ने प्रत्येक क्षेत्र में ऐतिहासिक फैसले लेकर क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के 4 साल पूरे होने पर चलाई जा रही मुहिम ह्यशानदार चार साल भगवंत मान दे नाल ह्न के तहत यहां नहर कॉलोनी, आदमपुर में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए चेयरमैन पवन कुमार टीनू ने कहा कि सूबा सरकार ने सत्ता में आने से पहले लोगों से किए हर वादे को पूरा करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि मान सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे समेत अन्य प्रमुख क्षेत्रों की सूरत बदलकर रख दी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा डेरा सच्चखंड बल्लां के पास श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र बनाने का वादा भी जल्द पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस केंद्र के लिए जमीन का काम पहले ही पूरा हो चुका है और लेआउट प्लान भी तैयार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट का निर्माण जल्द शुरू हो जाएगा। श्री टीनू ने कहा कि पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े सुधार किए हैं। आम आदमी क्लीनिकों के माध्यम से जहां लोगों को मुफ्त बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, वहीं पंजाब के हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्रांति के तहत सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया गया है। पंजाब सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों का बुनियादी ढांचा मजबूत करने के साथ-साथ इन स्कूलों में प्राइवेट स्कूलों जैसी अत्याधुनिक शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा जहां ह्य युद्ध नशे के विरुद्धह्न मुहिम चलाकर नशे के कारोबारियों पर बड़े पैमाने पर शिकंजा कसा गया है, वहीं युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए खेल बुनियादी ढांचे को भी मजबूत किया गया है। चेयरमैन ने कहा कि राज्य के युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा किए गए है और बिना किसी पक्षपात व सिफारिश के 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई है।

अंतर-राज्यीय अवैध हथियार सप्लाई मॉड्यूल से जुड़े दो व्यक्ति गिरफ्तार, 10 पिस्तौल बरामद

सिटी दर्पण संवाददाता-
चंडीगढ़/जालंधर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.) जालंधर ने उत्तर प्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अंतर-राज्यीय अवैध हथियार सप्लाई मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। उनके कब्जे से 7.65 एमएम की 10 देसी पिस्तौल और 20 मैगजीन बरामद की गई हैं। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दलेश कुमार उर्फ सौरव कुमार उर्फ नन्नू निवासी पांदापुर, अलीगढ़ (यूपी) और अमित चाहर निवासी बसेरी चाहर, आगरा (यूपी) के रूप में हुई है।

यह घटनाक्रम बीकेआई के दो कार्यकर्ताओं सुखविंदर उर्फ सन्नी और रावल को उनके विदेशी हैंडलर जस्सी कुलम के निर्देश पर बलाचौर के पास तीन ग्रेनेड और एक आईईडी खरीदने और रखने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के लगभग एक महीने बाद सामने आया। बाद में इसी आईईडी का इस्तेमाल हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुए विस्फोट में किया गया था।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि लगातार जांच के दौरान दोनों आरोपियों को मथुरा से गिरफ्तार किया गया। आरोपी दलेश कुमार उर्फ नन्नू की ग्रैंड विटारा कार से पांच पिस्तौल और 10 मैगजीन बरामद की गईं। उसके खुलासे के आधार पर मथुरा-पलवल हाईवे से पांच और पिस्तौल तथा 10 मैगजीन बरामद की गईं। इस तरह कुल 10 पिस्तौल और 20 मैगजीन बरामद हुईं।

डीजीपी ने बताया कि दोनों यूपी आधारित आरोपी जर्मनी और अमेरिका में सक्रिय विदेशी अपराधियों के इशारे पर काम कर रहे थे, जो पंजाब में आपराधिक गिरोहों को हथियार सप्लाई करते थे। उन्होंने आगे बताया कि ये दोनों आरोपी हथियार खरीदने के साथ-साथ विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर गढ़शंकर में एक ट्रैवल एजेंट के घर पर फिरौती के लिए फायरिंग की घटना में भी शामिल थे।

इस संबंध में थाना एस.एस.ओ.सी. अमृतसर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर नंबर 11, दिनांक 23-02-2026 को दर्ज की गई है।

संक्षिप्त-समाचार

एचडीएफसी बैंक और स्माइल फाउंडेशन ने की उत्तर भारत में 8 मोबाइल मेडिकल यूनिट तैनात करने की घोषणा

चंडीगढ़। एचडीएफसी बैंक ने घोषणा कि उसने स्माइल फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत उत्तर भारत के दूरदराज के इलाकों में 8 मोबाइल मेडिकल केयर यूनिट्स (एमसीयू) की तैनाती की जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य 4 लाख से ज्यादा लोगों तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना है। बैंक के सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन के तहत यह पहल जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब और उत्तराखंड को कवर करेगी। अप्रैल 2026 से मार्च 2028 तक इस पहल का संचालन किया जायेगा। बैंक ने बताया कि ये मोबाइल केयर यूनिट ओपीडी कंसल्टेशन, जांच संबंधी सुविधाएं, मुफ्त दवाएं और सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों से रेफरल लिंकेज जैसी सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। इस कार्यक्रम में माँ और बच्चे की सेहत, ब्लड प्रेशर, शुगर और खून की कमी जैसी बीमारियों की जांच, और स्कूल में साफ-सफाई, पोषण और पीरियड्स की जानकारी देने पर भी जोर दिया जाएगा। इस पहल के बारे में बोलते हुए एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित क्षेत्रों में कमियों को पाटने के लिए इन यूनिट्स की तैनाती की गई है। स्माइल फाउंडेशन के एक्जीक्यूटिव ट्रस्टी और को-फाउंडर शांतनु मिश्रा ने कहा कि यह साझेदारी अंतिम स्तर तक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के कदम को बेहतर बनाएगी और सरकार के प्रयासों में सहयोग प्रदान करेगी। स्माइल फाउंडेशन इस प्रोग्राम को लागू करेगा। इसके तहत मेडिकल स्टाफ की तैनाती और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के तय प्रोटोकॉल का पालन किया जायेगा, साथ ही लाभार्थियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्कीम से जोड़ा जाएगा।

एमएसई ने इक्विटी सेगमेंट के लिए मार्केट मेकर्स की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की

चंडीगढ़। एमएसई ने अपने इक्विटी सेगमेंट के लिए मार्केट मेकर्स नियुक्त करने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। इस कदम से बाजार में लेनदेन की गहराई बढ़ने, कीमतों के सही निर्धारण में मदद मिलने और ट्रेडिंग के अनुभव को और बेहतर बनाने की उम्मीद है। एमएसई 1 अप्रैल 2026 से बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाने के उपाय शुरू करेगा। इसका उद्देश्य बाजार में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ना और ट्रेडिंग के लिए एक सक्रिय माहौल तैयार करना है। ये कदम एमएसई की उस प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं, जिसके तहत वह सभी जुड़े हुए पक्षों के लिए एक पारदर्शी, कुशल और प्रतिस्पर्धी बाजार उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रहा है।

वीवो ने प्रस्तुत किए वाई21 5जी और वाई11 5जी स्मार्टफोन

चंडीगढ़। वीवो इंडिया ने वीवो वाई21 5जी और वीवो वाई11 5जी के लॉन्च की घोषणा की, जिससे अपनी वाई सीरीज पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है। ये स्मार्टफोन्स एंड्योरेंस का वादा करते हैं, यानी पूरे दिन लंबे समय तक चलने वाली पावर और भरोसेमंद मजबूती प्रदान करते हैं। दिनभर अपने डिवाइस पर निर्भर रहने वाले उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए ये दोनों स्मार्टफोन पूरे दिन भरोसेमंद प्रदर्शन देते हैं। इसके साथ ही इनमें आकर्षक डिजाइन और स्मूद उपयोग अनुभव भी मिलता है। ोनों डिवाइस वीवो इंडिया ई-स्टोर, प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और पार्टनर रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। वीवो वाई21 5जी की बिक्री अब वीवो की आधिकारिक वेबसाइट, फ्लिपकार्ट और सभी पार्टनर रिटेल स्टर्स पर शुरू हो चुकी है। दोनों डिवाइस 6500 मिलीएम्पियर-घंटा की बैटरी से संचालित हैं, जो मनोरंजन, कम्युनिकेशन और प्रोडक्टिविटी में पूरे दिन भरोसेमंद प्रदर्शन देती है, जिससे 48.4 घंटे वीडियो देखना, 80 घंटे म्यूजिक प्लेबैक, 33.3 घंटे सोशल मीडिया सर्फिंग और 10.1 घंटे नेविगेशन संभव होता है। यह स्थायी बैटरी प्रदर्शन अल्ट्रा-हाई एनर्जी डेंसिटी डिजाइन के साथ एडवांस्ड बैटरी हेल्थ एल्गोरिदम द्वारा सक्षम होता है। यह एंड्योरेंस इंटेलिजेंट पावर मैनेजमेंट फीचर्स जैसे बैटरी लाइफ एक्सटेंडर 1 प्रतिशत पर भी उपयोग के लिए, सुपर बैटरी सेवर मोड, एडैप्टिव पावर-सेविंग सेटिंग्स, और ओवरनाइट चार्जिंग प्रोटेक्शन से और बेहतर होता है।

प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य योजना का लोग उठा रहे हैं भरपूर लाभ

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत 4 लाख रुपये का जीवनरक्षक ऑपरेशन कैशलेस हुआ भगवंत मान सरकार के स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार के तहत सबसे बड़े कलेम में से एक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- हर एक जीवन अमूल्य है और स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से मुफ्त, जीवनरक्षक इलाज सुनिश्चित करना प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है: स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक के सबसे बड़े दावों में से एक के रूप में 4 लाख रुपये का जीवनरक्षक ऑपरेशन कैशलेस (नकदरहित) तरीके से किया गया, जो भगवंत मान सरकार की स्वास्थ्य प्रणाली के स्तर और जमीनी प्रभाव को दशार्ता है।

लाभार्थी सुखपाल कौर (37), जो चंडीगढ़ की निवासी हैं, को एओर्टिक डिसेक्शन नामक गंभीर हृदय और धमनियों की बीमारी के कारण पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया था, जिसके लिए तुरंत सर्जरी की आवश्यकता थी। इस प्रक्रिया, अस्पताल में भर्ती और विशेष देखभाल का अनुमानित खर्च लगभग 4 लाख रुपये था, जिसे इतने कम समय में जुटाना परिवार के लिए बेहद कठिन था। अस्पताल में स्वास्थ्य कार्ड की पुष्टि होते ही इलाज बिना किसी देरी के शुरू कर दिया गया। इस योजना के तहत प्रति परिवार 10 लाख रुपये तक के बीमा कवर के अंतर्गत पूरी प्रक्रिया कैशलेस पूरी की गई।

परिवार के एक सदस्य ने बताया, सब कुछ बहुत तेजी से हुआ। हमें बताया गया था कि स्थिति गंभीर है और तुरंत सर्जरी की जरूरत है। इतनी बड़ी राशि का तुरंत प्रबंध करना संभव नहीं था। स्वास्थ्य कार्ड ने यह सुनिश्चित किया कि इलाज में कोई देरी न हो।

इस मामले के चिकित्सकीय पहलू पर प्रकाश डालते हुए पीजीआई, चंडीगढ़ के डॉ. सचिन महाजन ने कहा, एओर्टिक डिसेक्शन एक अत्यंत नाजुक स्थिति है, जिसमें तुरंत सर्जरी की आवश्यकता होती है। ऐसे मामलों में थोड़ी सी देरी भी जोखिम बढ़ा सकती है। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत स्वास्थ्य कार्ड की सत्यापन के बाद हम वित्तीय मंजूरी की प्रतीक्षा किए बिना आगे बढ़ सके। यह हृदय से जुड़े उच्च जोखिम वाले मामलों में समय पर और निर्बाध इलाज सुनिश्चित करता है। सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, सुखपाल कौर जैसे नाजुक मोड़ पर एक अनमोल जीवन को बचा पाना अत्यंत संतोषजनक है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना जमीनी स्तर पर वास्तविक प्रभाव डाल रही है, जहां परिवार बिना धन की चिंता किए तुरंत इलाज प्राप्त कर पा रहे हैं।

लाखों परिवारों को कवर करते हुए और पूरे राज्य में महंगे उपचार उपलब्ध कराते हुए यह योजना पंजाब में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को और मजबूत बना रही है।

पंजाब सरकार द्वारा लगातार निवासियों से अपील की जा रही है कि वे मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत कैशलेस इलाज का लाभ उठाने के लिए निर्धारित केंद्रों पर अपना स्वास्थ्य कार्ड बनवाएं।

भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, धर्म और मयार्दा का प्रतीकः राज्यपाल

प्रदेशवासी भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपना सद्भाव, शांति और भाईचारे को मजबूत करें: सीएम धामी

रामनवमी पर प्रदेशभर में श्रद्धा और उल्लास का माहौल, राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने दीं शुभकामनाएं

एजेंसी (हि.स.)

देहरादून

प्रदेशभर में नवरात्र का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मंदिरों और घरों में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान श्रीराम का पूजन-अर्चन करने के साथ ही कन्या पूजन की परंपरा भी पूरे श्रद्धाभाव के साथ निभाई गई। मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों का दौर जारी है। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दी हैं।

गुरुवार को प्रातःकाल से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। भजन-कीर्तन, रामायण पाठ और विशेष पूजा-अर्चना के साथ भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया गया। अनेक स्थानों पर शोभायात्राएं और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किये गये। घरों और मंदिरों में श्रद्धालुओं ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनके चरण पखारे, तिलक लगाया और विधिपूर्वक पूजन किया। कन्याओं को भोजन कराकर उन्हें उपहार एवं दक्षिणा भेंट की गई। इस दौरान परिवारों ने सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

रामनवमी के मौके पर राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, धर्म और मयार्दा का प्रतीक है, जिनके आदर्शों का अनुसरण कर समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ किया जा सकता है।

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री धामी ने भी प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम का आदर्श चरित्र हमें जीवन में धैर्य, त्याग, मयार्दा और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर समाज में सद्भाव, शांति और भाईचारे को मजबूत करें। उन्होंने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अपने आवास पर परिवार सहित विधि-विधान से कन्या पूजन किया। इस दौरान उन्होंने नौदुर्गा स्वरूपा कन्याओं का सम्मानपूर्वक पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कैबिनेट मंत्री ने कन्याओं के चरण पखारकर उन्हें चुनरी ओढ़ाई तथा विधिपूर्वक आरती उतारी। श्रद्धा भाव से कन्याओं को भोजन भी कराया गया। मंत्री ने कन्याओं को दक्षिणा एवं उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। त्योहार को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक इंतजाम किए गए हैं, ताकि पर्व शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

पाटुली में बहुमंजिली इमारत की छत पर फायरिंग, एक युवक की मौत

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

कोलकाता के पाटुली इलाके में बुधवार रात बहुमंजिली इमारत की छत पर हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ। घटना शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्र में हुई, जहां स्थानीय लोग और पुलिस ने इसे लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। मृतक की पहचान राहुल डे (36) के रूप में हुई है। घायल युवक का नाम जीत मुखोपाध्याय बताया गया है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक और घायल युवक पूर्व परिचित थे, लेकिन लंबे समय से उनके बीच संपर्क नहीं था। बुधवार रात जीत के फ्लैट में पार्टी चल रही थी, जिसमें राहुल भी मौजूद था। पार्टी के दौरान कुछ लोग छत पर शराब पी रहे थे और विवाद के बाद फायरिंग हुई। पड़ोसियों ने आधी रात के आसपास तीन राउंड की गोलीबारी सुनी। गोली चलने के बाद वहां मौजूद लोग मौके से फरार हो गए। राहुल के भाई और मां मौके पर पहुंचे और उन्हें रक्तरंजित स्थिति में पाया। गंभीर रूप से

फोटोः हि.स.

घायल जीत को भी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने राहुल को मृत घोषित कर दिया। जित का इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद पाटुली थाने और लालबाजार हॉमिसाइड विभाग की टीम को घटनास्थल पर भेजकर जांच शुरू कर दी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जीत के खिलाफ पुलिस के पास पहले से कई शिकायतें दर्ज हैं और वह विभिन्न असामाजिक गतिविधियों में शामिल रहा है। कुछ स्थानीय निवासी दावा करते हैं कि वह 101 नंबर वार्ड के तृणमूल कांग्रेस के काउंसिलर के करीबी थे। विवाद के कारण पुलिस के रिकॉर्ड में कई बार उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस का अनुमान है कि फायरिंग दो समूहों के बीच सिंडिकेट और धन के वितरण को लेकर हुए विवाद के चलते हुई। इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके नाम दीप राय, विधान बंद्योपाध्याय, राजा बनिक और जयंत घोष शामिल हैं।

असम में कोई भी अवैध बांग्लादेशी नहीं दिखा सकता आंखः डॉ. हिमंत

एजेंसी (हि.स.)

नलबाड़ी (असम)

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने गुरुवार को सथेबारी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में कहा कि राज्य में कोई भी अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिया स्थानीय असमिया खिलंजिया लोगों को डराने-धमकाने की हिम्मत नहीं कर सकता।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि यदि किसी ने इस तरह की कोशिश की तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि पहले भी ऐसे तत्वों पर सख्ती की गई है और भविष्य में और कठोर कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान उन्होंने असम गण परिषद (अगप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन की भी चर्चा की। उन्होंने गठबंधन की तुलना ह्लबूंदिया और भुजियाह्व से करते हुए कहा कि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि अगप चाय है, तो भाजपा उसमें डाली जाने वाली चीनी है और दोनों के मिलन से ही सही स्वाद आता है। मुख्यमंत्री राजग प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे थे और उन्होंने राज्य के खिलंजिया (स्थानीय) लोगों के हितों की रक्षा के प्रति गठबंधन की प्रतिबद्धता दोहराई।

लेबनान को फ्रांस का पूरा समर्थन, हर संभव मदद जारी रहेगी : मैक्रों

पेरिस/बेरूत। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लेबनान को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि फ्रांस हर स्तर पर लेबनान के साथ खड़ा रहेगा और हर संभव मदद जारी रखेगा। मैक्रों ने यह बयान लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन से बातचीत के बाद दिया। उन्होंने लेबनानी सरकार द्वारा मौजूदा हालात को संभालने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए कहा कि ये प्रयास देश की संप्रभुता को मजबूत करेंगे। इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच फ्रांस ने यह भी स्पष्ट किया कि वह विस्थापित लोगों को मानवीय सहायता देता रहेगा। फ्रांस ने लेबनान की सेना और आंतरिक सुरक्षा बलों को भी लगातार समर्थन देने की बात कही है। मैक्रों ने जानकारी दी कि आने वाले दिनों में फ्रांस लेबनानी सेना को बख्तरबंद वाहन भी उपलब्ध कराएगा, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि फ्रांस का यह समर्थन क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और लेबनान की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना चांदी के भाव में मामूली तेजी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। शुरूआती कारोबार के दौरान सोना 3,470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली

फोटोः हि.स.

धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,50,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,46,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट में आसमान पर पहुंचा जेट फ्यूल

हवाई सफर पर असर पड़ने की आशंका

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से हवाई सफर बुरी तरह से प्रभावित होने की आशंका बन गई है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण पिछले एक महीने की अवधि में जेट फ्यूल यानी एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में वैश्विक स्तर पर 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी आ गई है। ऐसी स्थिति में विमानन कंपनियों के सामने हवाई यात्रा को महंगा करने की मजबूरी बन गई है।

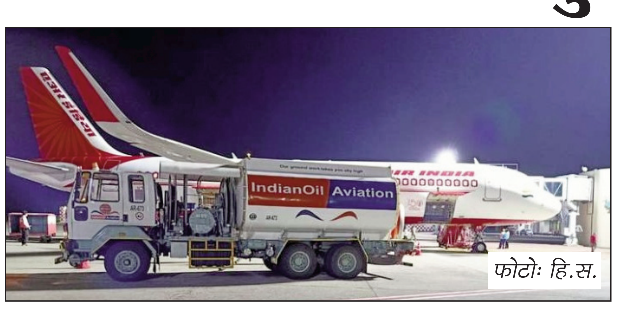

फोटोः हि.स.

जेट फ्यूल की बढ़ी कीमत के कारण दबाव का सामना कर रही विमानन कंपनियों ने इस संबंध में केंद्र सरकार से एयरपोर्ट चार्ज में कटौती करने की मांग की है। इन कंपनियों का कहना है कि अगर एयरपोर्ट चार्ज में कटौती नहीं की गई, तो हवाई किराए में उन्हें लगभग दोगुनी बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। फरवरी से लेकर अभी तक की अवधि में जेट फ्यूल की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। 20 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल 95.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बिक रहा था, जो अब बढ़ कर 197 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है। इस तरह जेट फ्यूल की कीमत में एक महीने की अवधि में दोगुनी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल की कीमत में आई तेजी का असर भारतीय बाजार में भी साफ-साफ नजर आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार से सामंजस्य बैठाने और बड़े नुकसान से बचने के लिए भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) अप्रैल के महीने में एटीएफ की कीमत में एक बार फिर बड़ी बढ़ोतरी करने का ऐलान कर सकती हैं। ऐसा होने पर पहले ही बढ़े हुए ऑपरेटिंग कॉस्ट का सामना कर रही विमानन कंपनियों के ऑपरेटिंग कॉस्ट और अधिक बढ़ोतरी हो सकती है। ऑपरेटिंग कॉस्ट में बढ़ोतरी होने का असर हवाई टिकट के मूल्य पर भी नजर आ सकता है। ऑपरेटिंग कॉस्ट बढ़ने की आशंका से चिंतित विमानन कंपनियों ने केंद्र सरकार से हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज को कम करने की मांग की है। इसके साथ ही इन कंपनियों ने टैक्स के मोर्चे पर भी केंद्र सरकार से राहत देने का अनुरोध किया है, ताकि जेट फ्यूल की कीमत में बढ़ोतरी होने की वजह से बढ़ी हुई लागत की कुछ हद तक भरपाई की जा सके। हालांकि मौजूदा व्यवस्था के तहत हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज में कटौती होने की संभावना काफी कम मानी जा रही है।

जानकारों का कहना है कि देश के ज्यादातर प्रमुख हवाई अड्डों को निजी कंपनियां संचालित कर रही हैं। ऐसी स्थिति में वे किसी भी तरह की छूट देने का विरोध कर सकती हैं। जानकारों का कहना है कि किसी भी एयरलाइन के कुल ऑपरेटिंग कॉस्ट में जेट फ्यूल पर होने वाला खर्च लगभग 40 प्रतिशत होता है। जेट फ्यूल की कीमत बढ़ने पर स्वाभाविक रूप से कंपनियों के मुनाफे में भी कमी आ जाती है। कहा जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित करने वाली विमानन कंपनियां को कई रूट पर लंबी उड़ान भी भरनी पड़ रही है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में बिकवाली का दबाव

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। हालांकि

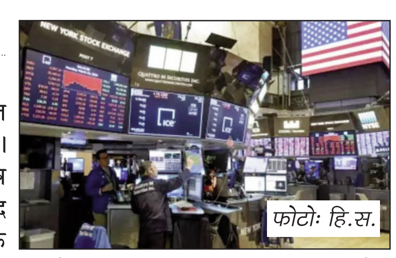

फोटोः हि.स.

डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,591.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 167.93 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,929.83 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,364.59 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 141.68 यानी 1.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,106.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 102.63 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,846.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 320.17 अंक यानी 1.39 प्रतिशत उछल कर 22,957.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आरजी कर अस्पताल में फिर लिफ्ट खराब, मरीज-परिजन फंसे

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

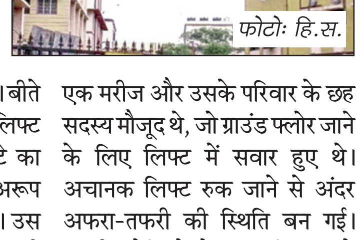

फोटोः हि.स.

आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में लिफ्ट को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। खासकर हाल ही में हुई एक दर्दनाक घटना के बाद यह मुद्दा और भी गंभीर हो गया है। बीते शुक्रवार को ट्रॉमा सेंटर की एक लिफ्ट की चपेट में आने से अपने बेटे का इलाज कराने आए युवक अरूप बंद्योपाध्याय की मौत हो गई थी। उस घटना के महज पांच दिन बाद ही अस्पताल में फिर से लगातार दो लिफ्ट खराब होने की घटना सामने आई है, जिससे मरीजों के परिजन और अस्पताल कर्मियों के बीच दहशत फैल गई है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 7:52 बजे कैजुअल्टी ब्लॉक की तीसरी मंजिल से नीचे आते समय एक लिफ्ट अचानक खराब हो गई और दूसरी व तीसरी मंजिल के बीच अटक गई। उस समय लिफ्ट में चेस्ट मेडिसिन विभाग से आए एक मरीज और उसके परिवार के छह सदस्य मौजूद थे, जो ग्राउंड फ्लोर जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुए थे। अचानक लिफ्ट रुक जाने से अंदर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। काफी कोशिशों के बाद लिफ्ट को पहली मंजिल तक लाया गया, लेकिन उसका दरवाजा नहीं खुला। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि इससे कुछ घंटे पहले, मंगलवार देर रात करीब 1:30 बजे, अकादमिक भवन में भी इसी तरह की घटना हुई। प्रिंसिपल के कार्यालय से नीचे उतरते समय एक अन्य लिफ्ट अचानक खराब हो गई, जिसमें एक लिफ्टमैन फंस गया था। हालांकि शुक्रवार की तरह इस बार कोई दुखद हादसा नहीं हुआ।

बैठक खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहब कंगाले ने ली समीक्षा बैठक

'गैस आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर होगा वितरण'

एजेंसी (हि.स.)

रायपुर

प्रदेश में गैस की उपलब्धता एवं वितरण प्रणाली के संबंध में ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहब कंगाले ने नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ आज समीक्षा बैठक की।

बैठक में एलपीजी की उपलब्धता, वितरण प्रणाली एवं उपभोक्ता संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ता संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को विगत माह की कुल खपत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही एलपीजी प्रदाय किया जाएगा। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में 25 दिवस तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45

फोटोः हि.स.

दिवस के भीतर एलपीजी रिफिल की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके। जिला प्रशासन को सभी एलपीजी वितरकों के कार्यालय एवं गोदामों में पुलिस एवं होमगार्ड के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे भीड़भाड़ एवं अव्यवस्था की स्थिति न बने। साथ ही वितरकों को अपने दूरभाष नंबर सक्रिय रखने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उपलब्ध स्टॉक को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संस्थानों के लिए प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सालय, सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल, होटल, समाज कल्याण विभाग के संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैंटीन, शासकीय कार्यालय, गेस्ट हाउस, पशु आहार उत्पादक इकाइयां तथा रेस्टोरेंट शामिल हैं। बैठक में यह भी तय किया गया कि कमर्शियल एलपीजी स्टॉक की उपलब्धता एवं वितरण की दैनिक समीक्षा ऑयल कंपनियों द्वारा की जाएगी तथा इसकी जानकारी प्रतिदिन विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की संचालक डॉ. फरिहा आलम, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के सदस्य सचिव राजीव कुमार जायसवाल, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के मंडल एलजी प्रमुख श्रीपाद बक्षी, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के प्रादेशिक प्रबंधक दिलीप मीणा, हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक मंगेश डोंगरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

ऑटो के पलटने से घर लौट रहे पांच मजदूर घायल, दो गम्भीर

कोडरमा। जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ढाब पांडेयबारा रोड पर गुरुवार सुबह एक ऑटो के अनियंत्रित होकर पलटने से उसपर सवार पांच प्रवासी मजदूर घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब 5 बजे की है। सभी मजदूर मुंबई से ट्रेन के जरिए कोडरमा स्टेशन पहुंचे थे। स्टेशन से अपने घर जाने के लिए उन्होंने एक ऑटो किराए पर लिया था। ऑटो जैसे ही चंदवारा मस्जिद के पास पहुंचा, तभी चालक का वाहन पर से नियंत्रण हट गया। देखते ही देखते ऑटो सड़क पर पलट गया और उसमें बैठे सभी लोग घायल हो गए। ऑटो पलटते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। हादसे के बाद वहां कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने तुरंत चंदवारा थाना पुलिस को सूचना दी और घायलों को संभालने में मदद की। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल, कोडरमा भेजा गया। जहां दो लोगों कुनी भुइयां(35) तथा देवकी कुमार (35) की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर ईलाज के लिए रिम्स (रांची) रेफर कर दिया गया। वहीं अन्य घायलों का सदर अस्पताल में इलाज जारी है। घायल सभी मजदूर हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड के रहने वाले हैं। वे मुंबई में काम करते थे और अपने गांव लौट रहे थे।

राजस्थान में 29 मार्च तक बारिश का अलर्ट आंधी-बूंदाबांदी से गर्मी से राहत

जयपुर। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 29 मार्च तक प्रदेश में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को भी चार जिलों में बारिश की चेतावनी दी गई है। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बुधवार दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। बीकानेर, जयपुर, अजमेर और जोधपुर संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में बादल छा गए और तेज हवाएं चलीं। बीकानेर जिले में गुरुवार को तेज आंधी चली, जिससे कई स्थानों पर पेड़ गिर गए। इससे पहले बुधवार दोपहर बाद हल्की धूलभरी हवा के साथ कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हुई। वहीं जयपुर में भी शाम के समय मौसम बदला और हल्की बारिश हुई। इसके अलावा श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू जिलों में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश और बूंदाबांदी हुई। मौसम में बदलाव के चलते प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। पिछले 15 दिनों में अधिकांश जिलों में बारिश होने से गर्मी का असर अपेक्षाकृत कम रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आंधी और बारिश का यह दौर मार्च के आखिर तक जारी रहने की संभावना है। प्रदेश के अधिकतर जिलों में बदलते मौसम का प्रभाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने लोगों को तेज आंधी और बारिश के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है।

चिप्स फैक्ट्री में लगी आग, दमकल ने समय रहते काबू पाया

कोलकाता। दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ थाना अंतर्गत चंडीपुर इलाके में गुरुवार सुबह एक चिप्स फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। इस घटना से इलाके में हलचल मच गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने तुरंत आग पर काबू पाया और बड़े हादसे को टालने में सफलता हासिल की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुबह फैक्ट्री में काम पर आए श्रमिकों ने फैक्ट्री के भीतर धुआं और आग की लपटें देखीं। तुरंत भांगड़ थाने को सूचना दी गई। पुलिस के तुरंत मौके पर पहुंचने के बाद दमकल की एक गाड़ी भी आग बुझाने के लिए भेजी गई। दमकलकर्मियों की तत्परता से आग पर जल्द नियंत्रण पाया गया। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि आग की शुरूआत शॉर्ट सर्किट से हुई है। हालांकि, सटीक कारण जानने के लिए भांगड़ थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

केंद्रीय जेल जगदलपुर से एक कैदी दीवार फांदकर फरार, तलाश जारी

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय के केंद्रीय जेल जगदलपुर में बुधवार देर शाम एक कैदी दीवार फांदकर फरार हो गया। इस घटना से जेल विभाग में हड़कंप मच गया। कैदी को खोजने के लिए जेल अधिकारी और कर्मचारी तुरंत सक्रिय हो गए हैं। मामले की सूचना तत्काल कोतवाली पुलिस को दी गई है, जिसके बाद पुलिस भी कैदी की तलाश में जुट गई है। जेल समेत आस-पास में लगे सीसीटव्ही कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल कैदी का नाम और वह किस जुर्म में जेल में था इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। बस्तर जिले के एसपी शलभ सिन्हा ने कहा कि मामले की जांच जारी है। कोतवाली थाना प्रभारी भोला सिंह राजपूत ने बताया कि केंद्रीय जेल अधीक्षक अक्षय तिवारी ने फोन पर कैदी के फरार होने की जानकारी दी। इसके बाद आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस जवानों को फरार कैदी की तलाश में भंगाराम चौक से लेकर माता मंदिर तक के इलाकों में खोजबीन में लगाया गया है। लेकिन देर रात तक टार्च की रोशनी में कैदी की तलाश जारी रही। लेकिन फरार कैदी का कुछ भी पता नहीं चल पाया है। जेल अधीक्षक अक्षय तिवारी ने बताया कि कैदी की तलाश जारी है। उसका किसी भी तरह से कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस और जेल प्रशासन दोनों मिलकर फरार कैदी को ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं।

जीएसटी विभाग की लक्ष्मी कमर्शियल और एसआरएस ट्रेडर्स पर कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में राज्य के जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आज भैंसथान स्थित अन्नपूर्णा कॉम्प्लेक्स में लक्ष्मी कमर्शियल और एसआरएस ट्रेडर्स पर छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार , जीएसटी विभाग के लगभग 10 अधिकारियों की टीम पिछले 6 घंटों से दोनों फर्मों के चार अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ जांच कर रही है। जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के मुताबिक, इन फर्मों के खिलाफ बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी और बोगस बिलिंग की शिकायत मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अधिकारियों ने कई अहम दस्तावेज, ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। अधिकारियों ने बताया है कि प्रारंभिक जांच में बड़ी संख्या में संदिग्ध बिल और लेन-देन के रिकॉर्ड सामने आए हैं, जिससे करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी की आशंका जताई जा रही है।

यूईएफए महिला चैंपियंस लीग: एल क्लासिको में बार्सिलोना का दबदबा

बार्सिलोना की रियल मैड्रिड पर धमाकेदार जीत, सेमीफाइनल की राह आसान

❍ रियल मैड्रिड को 6-2 से हराया

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड

फोटोः हि.स.

यूईएफए महिला चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल के पहले चरण में बार्सिलोना महिला फुटबॉल टीम ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड महिला फुटबॉल टीम को 6-2 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। यह मुकाबला प्रतिष्ठित ह्यएल क्लासिकोह्न के रूप में खेला गया, जिसमें बार्सिलोना का पूरी तरह दबदबा देखने को मिला।

मैड्रिड में खेले गए इस मुकाबले में ईवा पाजोर ने दो गोल दागे, जबकि एज्मी ब्रुग्ट्स, आइरीन परेडेस, विकी लोपेज और एलेक्सिया पुटेलास ने एक-एक गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रियल मैड्रिड की ओर से लिंडा कैइसेडो ने दोनों गोल किए, लेकिन वह टीम को हार से नहीं बचा सकीं। बार्सिलोना ने मैच की शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ में 2-0 की बढ़त बना ली। हालांकि 30वें मिनट में कैइसेडो ने गोल कर रियल को मैच में वापसी दिलाने की कोशिश की। इसके बाद बार्सिलोना ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया।

दूसरे हाफ में कैइसेडो ने एक और गोल कर अंतर कम किया, लेकिन अंत में पुटेलास ने 89वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 6-2 कर दिया।

तीन बार की चैंपियन बार्सिलोना लगातार आठवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचने के बेहद करीब है। टीम पिछले पांच सीजन से फाइनल तक पहुंचती रही है, हालांकि पिछले साल उसे खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

अब रियल मैड्रिड को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अगले हफ्ते बार्सिलोना में होने वाले दूसरे चरण में बड़ी वापसी करनी होगी, जो आसान नहीं दिख रहा है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर चिंताएं बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गईं: मोंटाग्लियानी

एजेंसी (हि.स.)
अटलांटा

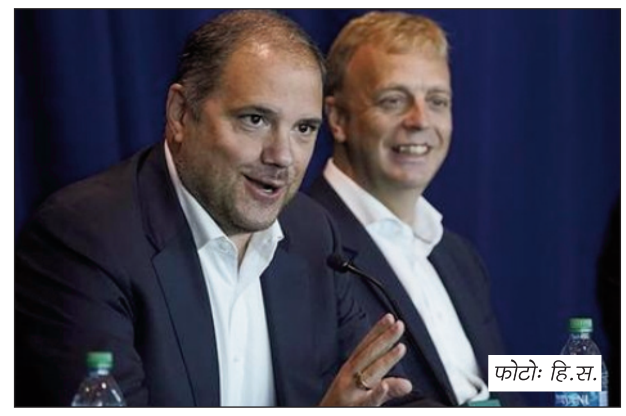
फोटोः हि.स.

फीफा के उपाध्यक्ष विक्टर मोंटाग्लियानी ने बुधवार को आगामी फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर उठ रही राजनीतिक और सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया है। उनका कहना है कि जैसे ही टूनार्मेंट शुरू होगा, ये सभी मुद्दे पीछे छूट जाएंगे और फोकस केवल फुटबॉल पर रहेगा। यह विश्व कप अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। हालांकि, टूनार्मेंट से पहले कई तरह की चुनौतियां सामने आई हैं, जिनमें मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीतियां और मेक्सिको में गैंग हिंसा जैसी चिंताएं शामिल हैं।

ईरान ने भी संकेत दिए हैं कि वह अमेरिका में अपने मैच नहीं खेलेगा, क्योंकि ट्रंप ने ईरानी खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चेतावनी दी थी। वहीं, कई देशों के प्रशंसकों ने वीजा मिलने में कठिनाई और इमिग्रेशन एजेंसियों के व्यवहार को लेकर चिंता जताई है। मोंटाग्लियानी, जो कॉनकाकाफ के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि इस तरह की भू-राजनीतिक चुनौतियां हर वर्ल्ड कप से पहले सामने आती रही हैं। उन्होंने 1978 के अर्जेंटीना वर्ल्ड कप का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय भी राजनीतिक परिस्थितियां बेहद संवेदनशील थीं।

उन्होंने कहा, हर वर्ल्ड कप में इस तरह के मुद्दे रहे हैं। आज के समय में ये ज्यादा बड़े इसलिए दिखते हैं क्योंकि सोशल मीडिया और मीडिया कवरेज का दायरा बढ़ गया है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो भी हाल के दिनों में चर्चा में रहे हैं, खासकर ट्रंप के साथ उनके करीबी संबंधों को लेकर। हालांकि, मोंटाग्लियानी ने स्पष्ट किया कि आयोजकों का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों और प्रशंसकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मजबूत हो। इसके लिए अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की सरकारों के साथ हमारा समन्वय जरूरी है, ताकि सभी दर्शक सुरक्षित माहौल में मैच का आनंद ले सकें। मोंटाग्लियानी ने विश्वास जताया कि 11 जून को जैसे ही पहला मैच शुरू होगा, दुनिया भर के लोग बाकी सभी मुद्दों को भूलकर सिर्फ खेल पर ध्यान देंगे।

बेंगलुरु एफसी ने स्पेन के पेप मुनोज को मुख्य कोच नियुक्त किया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरु

बेंगलुरु एफसी ने स्पेन के पेप मुनोज को 2026-27 के सत्र के अंत तक के लिए नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। इस फुटबॉल क्लब ने गुरुवार को यह घोषणा की।

मुनोज ने इससे पहले एफसी बार्सिलोना के युवा सेटअप में बारका अंडर-19 और बार्सिलोना बी के साथ काम किया है। इसके अलावा वह चीन की राष्ट्रीय टीम और वहां के दो क्लबों किंगदाओ हुआंगहाई और शेडोंग लुनेन्ग के साथ भी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। बेंगलुरु एफसी का मुख्य कोच बनने से पहले वह कंबोडिया में प्रेह खान रीच स्वे रींग के साथ यह भूमिका निभा रहे थे। कंबोडिया के क्लब के साथ उन्होंने दो साल का सफल कार्यकाल बिताया, जिसमें क्लब ने दो बार लीग और एक बार लीग कप जीता और इसके साथ ही एएफसी चैलेंज लीग के फाइनल में भी पहुंचा।

मुनोज के साथ फेरान बोर्रास भी बेंगलुरु की टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे।

मियामी ओपन सेमीफाइनल में भिड़ेंगी सबालेंका और राइबाकिना

❍ डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने बैपटिस्ट को हराया; राइबाकिना ने पेगुला को हराकर किया उलटफेर

एजेंसी (हि.स.)
मियामी

फोटोः हि.स.

मियामी में खेले जा रहे प्रतिष्ठित मियामी ओपन 2026 में महिला एकल वर्ग में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका और दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी एलेना राइबाकिना के बीच एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने अमेरिका की हैली बैपटिस्ट को 6-4, 6-4 से हराया।

वहीं राइबाकिना ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। पेगुला पिछले साल इसी टूनार्मेंट में सबालेंका से फाइनल हार चुकी थीं। दोनों स्टार खिलाड़ी गुरुवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में फाइनल में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होंगी। सबालेंका और राइबाकिना के बीच हाल के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं। इस साल जनवरी में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में राइबाकिना ने सबालेंका को हराया था, जो 2026 में सबालेंका की एकमात्र हार रही। हालांकि, सबालेंका ने इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जीत दर्ज कर उसका बदला चुका लिया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि राइबाकिना के खिलाफ मुकाबले हमेशा कड़े और रोमांचक होते हैं और वह इस भिड़ंत को लेकर काफी उत्साहित हैं। सबालेंका अब सनशाइन डबल (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतने) से सिर्फ दो जीत दूर हैं। क्वार्टरफाइनल में सबालेंका को बैपटिस्ट से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने दबाव संभालते हुए जीत दर्ज की। दूसरी ओर, राइबाकिना ने पेगुला के खिलाफ खराब शुरूआत के बाद शानदार वापसी की। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लय पकड़ी और लगातार पांचवीं बार पेगुला को हराया। पुरुष वर्ग में लेहेका की जीत पुरुष एकल वर्ग में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका ने स्पेन के क्वालीफायर मार्टिन लैंडालुसे को 7-6(7/1), 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। लेहेका को यह जीत आसान नहीं रही, क्योंकि लैंडालुसे ने पहले सेट में सभी ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, टाईब्रेक में लेहेका ने दबदबा बनाया और दूसरे सेट के अंतिम गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने नाम किया। अब लेहेका का मुकाबला अमेरिका के टॉमी पॉल और फ्रांस के आर्थर फिल्स के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

विश्व कप फुटबॉल के अतिरिक्त टिकटों की बिक्री एक अप्रैल से

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को घोषणा की कि विश्व कप टिकटों के अंतिम दौर की बिक्री एक अप्रैल से शुरू होगी।

फीफा ने कहा कि दिसंबर और फरवरी के बीच पिछली बिक्री के अंत तक दस लाख से अधिक टिकट बिक चुके थे और अतिरिक्त टिकट एक अप्रैल से टूनार्मेंट के अंत तक आम बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित किया जाएगा। फीफा को टिकटों की कीमत को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दिसंबर में टिकटों की बिक्री आम जनता के लिए शुरू की गई थी और तब फुटबॉल प्रेमियों ने फीफा पर विश्वासघात का आरोप लगाया था क्योंकि ग्रुप चरण का सबसे कम कीमत वाला टिकट 140 डॉलर का था जबकि फाइनल के टिकटों की कीमत 8680 डॉलर तक थी।

विश्व रंगमंच दिवस: मानवीय संवेदनाओं का जीवंत दर्पण

रंगमंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज का वह आइना है जिसमें हम अपनी अच्छाइयों, बुराइयों और भविष्य की संभावनाओं को देखते हैं। हर साल 27 मार्च को मनाया जाने वाला 'विश्व रंगमंच दिवस' इसी प्राचीन और प्रभावशाली कला विधा के महत्व को रेखांकित करता है। यह दिन कलाकारों, निर्देशकों, लेखकों और सबसे महत्वपूर्ण—दर्शकों के बीच के उस अदृश्य धागे को मजबूत करता है जो मंच पर घटित होने वाली भावनाओं से जुड़ा होता है।

विश्व रंगमंच दिवस का इतिहास और उद्देश्य

विश्व रंगमंच दिवस की स्थापना 1961 में इंटरनेशनल थिएटर इंस्टीट्यूट (ITI) द्वारा की गई थी। पहला संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू (Jean Cocteau) द्वारा लिखा गया था। तब से लेकर आज तक, हर साल किसी विश्व प्रसिद्ध हस्ती द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय संदेश' जारी किया जाता है, जो शांति, कला और सामाजिक न्याय की वकालत करता है।

उद्देश्य

दुनिया भर में रंगमंच के सभी रूपों को बढ़ावा देना। लोगों को रंगमंच के मूल्यों और इसके कलात्मक महत्व से अवगत कराना। रंगमंच समुदायों को व्यापक स्तर पर अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करना। सरकारों और संस्थानों को कला की इस विधा के प्रति जागरूक करना ताकि वे इसे समर्थन दें।

महत्व

रंगमंच एक 'जीवंत कला' है। सिनेमा और ओटीटी के दौर में भी रंगमंच की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, क्योंकि यहाँ कलाकार और दर्शक एक ही समय और स्थान पर मौजूद होते हैं।

सामाजिक परिवर्तन का वाहक

इतिहास गवाह है कि जब-जब समाज में कुरीतियां बढ़ीं, रंगमंच ने एक क्रांतिकारी की भूमिका निभाई। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर जन-जागरूकता फैलाई गई है। सफदर हाशमी जैसे कलाकारों ने रंगमंच को आम आदमी की आवाज बनाया।

भारत और रंगमंच की परंपरा

27 मार्च को अंतरराष्ट्रीय रंगमंच दिवस 1961 में इंटरनेशनल थिएटर इंस्टीट्यूट (ITI) द्वारा स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य रंगमंच की कला को बढ़ावा देना और दुनिया भर के कलाकारों को एकजुट करना है। इस दिन विशेष रूप से एक आधिकारिक संदेश जारी किया जाता है, जिसे दुनिया के प्रसिद्ध नाटककार, अभिनेता या निर्देशक लिखते हैं। भारत में रंगमंच की समृद्ध परंपरा है। भरतमुनि का नाट्यशास्त्र दुनिया का सबसे पुराना रंगमंचीय ग्रंथ माना जाता है। कालिदास के नाटक ह्यअभिज्ञानशाकुंतलम्ह्न से लेकर भास, भवभूति, गिरीश कर्नाड, विजय तेंदुलकर, हबीब तनवीर और बादल सरकार जैसे लेखकों तक, भारतीय रंगमंच ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। आज भी नाट्य मंडलियां, स्ट्रीट प्ले, लोकनाट्य और आधुनिक थिएटर समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर करने का कार्य कर रहे हैं। रंगमंच केवल पर्दे पर ही नहीं, बल्कि हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी में भी है। हम सभी जीवन रूपी मंच पर अपनी भूमिकाएँ निभा रहे हैं, और यह हम पर निर्भर करता है कि हम इसे कितनी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाते हैं। अंतरराष्ट्रीय रंगमंच दिवस हमें इस कला के महत्व को समझने और इसकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखने की प्रेरणा देता है। इस रंगमंच दिवस पर हम सभी कलाकारों को नमन करें और संकल्प लें कि अपने समाज और संस्कृति को इस सशक्त माध्यम के जरिए और आगे बढ़ाएंगे।

सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्थाओं पर गहरी चोट

भारत में गिरीश कर्नाड, विजय तेंदुलकर, हबीब तनवीर और बादल सरकार जैसे नाटककारों ने अपने नाटकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्थाओं पर गहरी चोट की है। **व्यंग्य और हास्यः** व्यंग्य से समाज की बुराइयों को उजागर करना रंगमंच की सबसे प्रभावी विशेषताओं में से एक है। नाटकों में व्यंग्यपूर्ण संवाद और हास्य के माध्यम से गंभीर मुद्दों को हल्के-फुल्के अंदाज में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे दर्शक उसे सहजता से स्वीकार कर सकें। **संघर्ष और क्रांतिः** कई नाटकों ने सामाजिक बदलाव लाने में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी थिएटर का उपयोग ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनजागरण के लिए किया गया था। इस प्रकार, रंगमंच समाज की विचारधाराओं, उसकी अच्छाइयों और बुराइयों का प्रतिबिंब है, जो न केवल हमें सोचने पर मजबूर करता है बल्कि हमें अपनी जिम्मेदारियों का भी अहसास कराता है।

शेक्सपियर का कथन और हमारा जीवन

शेक्सपियर ने जब कहा, सारा संसार एक रंगमंच है, और सभी स्त्री-पुरुष केवल इसके अभिनेता हैं, तो उन्होंने न केवल एक दार्शनिक सत्य को व्यक्त किया बल्कि हमारे जीवन के स्वरूप को भी स्पष्ट किया।हम सभी इस रंगमंच पर विभिन्न किरदार निभाते हैं। कोई नायक होता है, कोई खलनायक; कोई विदूषक होता है, तो कोई विचारक। हम अपने जीवन के अलग-अलग चरणों में भिन्न-भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं- **बचपनः** जब हम मासूम होते हैं, सीखने की प्रक्रिया में होते हैं, और हर चीज नई होती है। **युवा अवस्थाः** जब हम सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं, प्रेम और महत्वाकांक्षाओं से भरे होते हैं। **प्रौढ़ अवस्थाः** जब हम जीवन की जटिलताओं को समझते हैं और अपने कर्तव्यों को निभाते हैं। **वृद्धावस्थाः** जब हम अनुभवों का भंडार होते हैं, लेकिन शारीरिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। जैसे एक नाटक में एक पात्र का आगमन और प्रस्थान होता है, वैसे ही जीवन में भी जन्म और मृत्यु का चक्र चलता रहता है। हर व्यक्ति अपनी निर्धारित भूमिका निभाकर इस मंच से विदा ले लेता है। लेकिन, सवाल यह उठता है कि हम इस रंगमंच पर अपनी भूमिका कितनी ईमानदारी और समर्पण से निभाते हैं ? क्या हम अपने किरदार को सार्थक बना रहे हैं ? क्या हम अपने हिस्से की ज़िम्मेदारियाँ पूरी कर रहे हैं ? शेक्सपियर की यह सोच हमें आत्मचिंतन करने के लिए प्रेरित करती है। हमें यह समझने की जरूरत है कि यह जीवन केवल एक व्यक्तिगत यात्रा नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक रंगमंच का हिस्सा है, जहां हर व्यक्ति के कार्यों का असर दूसरों पर पड़ता है।

मानवीय संवेदनाओं का संरक्षण

एक नाटक केवल कहानी नहीं कहता, वह संवेदनाएं पैदा करता है। मंच पर जब एक कलाकार रोता या हंसता है, तो दर्शक उसके साथ उस अनुभव को जीता है। यह 'कैथार्सिस' यानी भावनाओं का शुद्धिकरण है, जो आज के तनावपूर्ण जीवन में मानसिक शांति के लिए आवश्यक है।

सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक

भारत में 'नौटंकी', 'तमाशा', 'यक्षगान', 'जातरा' और 'रामलीला' जैसे लोक नाटक हमारी जड़ों से जुड़े हैं। ये विधाएं हमारी लोक कथाओं, गीतों और परंपराओं को पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित करती हैं।

आधुनिक युग में रंगमंच की चुनौतियां

डिजिटल क्रांति ने रंगमंच के सामने कुछ गंभीर चुनौतियां पेश की हैं- **आर्थिक संकटः** फिल्म निर्माण की तुलना में नाटकों को प्रायोजक कम मिलते हैं। कई प्रतिभाशाली कलाकार आर्थिक तंगी के कारण इस क्षेत्र को छोड़ देते हैं। **दर्शकों की कमीः** मोबाइल स्क्रीन की सुलभता ने लोगों को घरों में कैद कर दिया है, जिससे ऑडिटोरियम तक आने वाले दर्शकों की संख्या में गिरावट आई है। **बुनियादी ढांचे का अभावः** छोटे शहरों में आज भी सुसज्जित मंचों और रिहर्सल स्पेस की भारी कमी है। **भविष्य की राहः** तकनीक और रंगमंच का मिलन भविष्य का रंगमंच तकनीक के साथ तालमेल बिठा रहा है। आज 'वर्चुअल रियलिटी' और 'प्रोजेक्शन मैपिंग' के जरिए नाटकों को और अधिक भव्य बनाया जा रहा है। डिजिटल थिएटर के जरिए अब नाटकों का लाइव प्रसारण दुनिया के किसी भी कोने में देखा जा सकता है।

सुखना लेक पर होने वाले एयर शो को लेकर वायुसेना टीम ने कटारिया से मुलाकात की

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में शुक्रवार को सुखना झील पर आयोजित होने वाले एयर शो से पूर्व, भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने आज पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में माननीय पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। टीम ने अपने आगामी एयर शो के बारे में जानकारी साझा की तथा इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम के दौरान शहरवासियों से जुड़ने को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण विभाग मंत्री ने किए माता मनसा देवी के दर्शन, लिया आशीर्वाद

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण विभाग मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर आज पंचकूला के ऐतिहासिक माता मनसा देवी मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना कर महामाई का आशीर्वाद लिया। उन्होंने माता मनसा देवी के चरणों में प्रार्थना करी की प्रदेश विकास के मार्ग पर अग्रसर रहे और प्रदेशवासियों का जीवन सुखमय और शांतिपूर्ण बना रहे।

- हवन-यज्ञ में आहुति देकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की
- मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मंदिर पहुँचने पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती निशा यादव ने परंपरागत ढंग से मंत्री श्री रणबीर गंगवा का स्वागत किया। मुख्य मंदिर में महामाई के दर्शन करने के उपरांत कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में मंत्रोच्चारण के बीच हवन-यज्ञ में भाग लिया और आहुति अर्पित की। इससे पूर्व उन्होंने मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती निशा यादव ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण विभाग मंत्री श्री रणबीर गंगवा को माता मनसा देवी का चित्र सम्मान स्वरूप भेंट किया। इस अवसर पर माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की सचिव श्रीमती शारदा प्रजापति और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने किए माता मनसा देवी के दर्शन, लिया आशीर्वाद

पंचकूला। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर आज पंचकूला स्थित ऐतिहासिक माता मनसा देवी मंदिर में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और महामाई का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर पहुंचने पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती निशा यादव ने परंपरागत तरीके से मंत्री श्री श्याम सिंह राणा का स्वागत किया।मुख्य मंदिर में दर्शन करने के उपरांत कैबिनेट मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में मंत्रोच्चारण के बीच हवन-यज्ञ में भाग लिया और आहुति अर्पित की। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती निशा यादव, श्राइन बोर्ड की सचिव श्रीमती शारदा प्रजापति सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जीजीडीएसडी कॉलेज का शानदार प्रदर्शन, पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जीती रनर्स-अप ट्राफी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज ने पंजाब यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में सत्र 2025-26 के दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला–दोनों वर्गों में रनर्स-अप ट्रॉफी अपने नाम की। पुरुष वर्ग में कॉलेज ने 15,873 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और उसे प्रतिष्ठित के.के. ग्रोवर ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। वहीं, महिला वर्ग में भी 9,053 अंकों के साथ कॉलेज रनर्स-अप रहा। यह सम्मान पंजाब यूनिवर्सिटी के वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह (सत्र 2025झ26) में खेल निदेशालय द्वारा प्रदान किया गया। पिछले वर्ष जीजीडीएसडी कॉलेज ने पंजाब यूनिवर्सिटी से संबद्ध 200 से अधिक कॉलेजों को पछाड़ते हुए पुरुषों में सर शादीलाल ट्रॉफी और महिलाओं में पी.एल. बैंस ट्रॉफी अपने नाम की थी, जिससे उसकी खेल उत्कृष्टता की परंपरा और भी सुदृढ़ हुई है। इस वर्ष पुरुष वर्ग में कॉलेज को फेंसिंग, हैंडबॉल, साइक्लिंग (रोड), कुश्ती, कुश्ती (ग्रीको-रोमन), तीरंदाजी, स्क्वैश और कयाकिंग जैसे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित पी.यू.एस.सी. ट्रॉफी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, कबड्डी में सूरज भान ट्रॉफी तथा टेनिस में सर सुंदर सिंह मजीठिया ट्रॉफी भी कॉलेज ने अपने नाम की। वहीं, महिला वर्ग में कयाकिंग, टेबल टेनिस, सेपक टकरा (क्वाड व रेगु), एथलेटिक्स और तीरंदाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कॉलेज को पी.यू.एस.सी. ट्रॉफी प्रदान की गई।

आरएचएसएस ने नवरात्रि एवं रामनवमी पर सनातनी और समाजसेवी महिलाओं को किया सम्मानित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन (आरएचएसएस), चण्डीगढ़ द्वारा चैत्र नवरात्र और रामनवमी के पावन अवसर पर एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मोनिका भारद्वाज ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करना और उनका आभार व्यक्त करना था।

संगठन की ओर से चयनित महिलाओं को माँ दुर्गा की तांबा-पीतल से निर्मित सुंदर मूर्ति, श्रद्धा की प्रतीक ओढ़णी और व्रत की शुद्ध खाद्य सामग्री सप्रेम भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश महासचिव लक्ष्मी शंकर चतुवेर्दी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर शर्मा, उपाध्यक्ष पूनम वर्मा, सचिव एवं सांस्कृतिक सलाहकार रमन चतुवेर्दी व मीडिया इंचार्ज कमलेश ने समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका और उनके सेवा भाव की सराहना की।

संक्षिप्त-समाचार

सेक्टर-30 ने रामनवमी पर श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ आयोजित किया गया

चंडीगढ़। श्री बद्रीश रामलीला कला निकेतन गढ़वाल, सेक्टर-30 द्वारा आज रामनवमी के पावन अवसर पर सेक्टर-30 स्थित अपने रामलीला मंच पर श्रीरामायण के सुंदरकांड का संगीतमय पाठ आयोजित किया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के महापौर सौरभ जोशी, एस.पी. बमोला (वरिष्ठ उप प्रधान, गढ़वाल सभा, चंडीगढ़) एवं बसंत सिंह अधिकारी (स्टाइल क्राफ्ट इंजीनियरिंग, मोहाली) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा जसमनप्रीत सिंह, वरिष्ठ उप-महापौर नगर निगम चंडीगढ़, तरुणा मेहता, पूर्व उप-महापौर, नगर निगम चंडीगढ़, शक्ति प्रकाश देवशाली उप प्रधान बीजेपी चंडीगढ़, यादविंदर मेहता, प्रधान शिव शक्ति मंदिर, सेक्टर 30, शंकर सिंह पंवार, प्रधान गढ़वाल सभा, विक्रम बिष्ट पूर्व प्रधान गढ़वाल सभा चंडीगढ़, भूपेंद्र शर्मा, प्रधान उत्तराखंड बीजेपी सेल, सुनील गोसाई, प्रधान, उत्तराखंड पौड़ी गढ़वाल एकता मंच, पूनम रावत, प्रधान महिला प्रकोष्ठ पौड़ी गढ़वाल एकता मंच, दीपक असवाल, लव किशोर अग्रवाल, नन्द स्वीट, सेक्टर 7 ने भी अपनी उपस्थित दर्ज कराई' सभा के प्रधान मोहिंदर सिंह रावत ने सभी अतिथियों का फूलमालाओं से स्वागत किया।